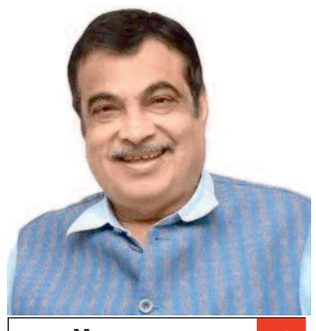

एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वाइल्डकार्ड एंट्री से लॉकअप 2... 11

वर्ष - 02, अंक - 97 | गाजियाबाद / शुक्रवार 10 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में 30 हजार भारतीयों के बीच पहुंचे मोदी

- भारतीयों से बोले-आपका शो हाउसफुल और ब्लॉकबस्टर

मेलबर्न (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय को संबोधित किया है। मेलबर्न में हुए इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज भी उनके साथ पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि वह मेलबर्न में भारतीय समुदाय के बीच आकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। भारतीय समुदाय ने जिस जोश और उत्साह का

परिचय दिया है, वह वाकई बेमिसाल है। उन्होंने भारतीय समुदाय से कहा कि आप भारत-ऑस्ट्रेलिया दोस्ती के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक हैं। मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं उस जमीन के पारंपरिक मालिकों को नमन करते हुए अपनी बात शुरू करना चाहता हूं, जहां हम मिल रहे हैं। यह कार्यक्रम हाउसफुल है। इससे पहले मैं आप सभी से सिडनी में दो बार मिल चुका हूं। मैं मेलबर्न के लोगों से मिलने का भी इंतजार कर रहा था। इसलिए इस बार मैंने सोचा कि मैं मेलबर्न के लोगों के साथ फ्लैट व्हाइट कॉफी पिऊंगा।

भारतीय समुदाय में कमाल की एनर्जी: अल्बनीज

पीएम मोदी को सुनने के लिए पहुंचे करीब 30 हजार लोगों को संबोधित करते हुए अल्बनीज ने कहा कि उन्हें भारतीय समुदाय के बीच पहुंचकर खुशी हो रही है, जिसका देश की तरक्की में एक योगदान रहा है। अल्बानीज ने कहा, यहां जो एनर्जी महसूस हो रही है, वही ऑस्ट्रेलिया-भारत की साझेदारी को परिभाषित करती है। यह उत्साह और गतिशीलता ही दोनों देशों और लोगों के बीच सकारात्मकता और उम्मीदों को आगे बढ़ाती है। पीएम मोदी बुधवार को तीन दिन के दौरे पर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया और भारत ने कई अहम समझौतों का ऐलान किया है। दोनों देशों ने अपने रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा संबंधों को बेहतर करने पर जोर दिया गहै हैं। रक्षा सहयोग के अलावा भारत ने ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति के लिए समझौता किया है।

मैं सलमान, मैं राशिद और मैं असलम...

- तौबा-तौबा करते हुए पुलिस थाने पहुंचे 47 मुल्जिम

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर के थाना चिलकाना क्षेत्र में गोकशी के मामलों में पहले संलिप्त रहे 47 आरोपी स्वेच्छा से थाने पहुंचे और भविष्य में अपराध की दुनिया से पूरी तरह दूरी बनाने का संकल्प लिया। इनमें ऐसे आरोपी भी शामिल रहे जिन पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है। थाने पहुंचे सभी लोगों के हाथों में संदेश लिखी तख्तियां थीं। इन पर कानून का सम्मान करने, अपराध से दूर रहने और ईमानदारी से जीवनयापन करने की बातें लिखी गई थीं। गौकशी मामले मे पुलिस की सख्ती होते देख 47 लोग थाने पहुंचे सभी लोगों के हाथों में संदेश लिखी तख्तियां थीं। इन पर कानून का सम्मान करने, अपराध से दूर रहने और ईमानदारी

से जीवनयापन करने की बातें लिखी गई थीं। थाना परिसर में सभी ने पुलिस अधिकारियों के सामने शपथ लेते हुए कहा कि अब वे गोकशी या किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगे से मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करेंगे और समाज के जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन बिताएंगे।

कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों को स्पष्ट रूप से आगाह किया कि यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति दोबारा गोकशी या किसी अन्य अपराध में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि अपराध से दूरी बनाने का यह संकल्प केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे व्यवहार में भी जीवन मे उतारना भी होगा।

झमाझम बारिश से जीना हुआ मुहाल

- दिल्ली से एमपी, महाराष्ट्र तक भारी बारिश ने ढाया कहर
- ढहीं इमारतें, उत्तराखंड से गुजरात तक आफत की बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, मुंबई, गुजरात, महाराष्ट्र, केरल और हिमाचल प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में भारी बारिश का कहर जारी है। भारी बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव, बाढ़ भूस्खलन और यातायात बाधित होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। मंगलवार से दिल्ली-एनसीआर में बारिश का सिलसिला जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने 17 राज्यों में भीषण बारिश के साथ आंधी और तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें 3 हजार एलपीजी सिलेंडर पातालगंगा नदी में बहते हुए दिखाए दे रहे हैं। यह वीडियो रायगढ़ में पातालगंगा एलपीजी बॉटलिंग प्लांट का है। अधिकारियों के अनुसार, प्लांट की दीवार गिर गई। इसके बाद बाढ़ का पानी सीधे प्लांट के अंदर घुस गया और इसके कारण हजारों सिलिंडर बहकर पातालगंगा नदी और खारपाड़ा क्रीक में चले गए। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ में कचरे का बड़ा ढेर गिरने से एक तीन मंजिला इमारत ढह गई, जिसमें 16 लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई है। राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और फंसे लोगों को निकालने में जुटे हैं। महाराष्ट्र में लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और कई स्थानों पर जलभराव तथा भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं।

केरल में 5 लोगों की मौत

केरल के वायनाड में सुरंग सड़क निर्माण स्थल पर हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या पांच हो गई है। एक शव बरामद किया गया है, चार लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। यह भूस्खलन 7 जुलाई को वायनाड और कोझिकोड जिलों को जोड़ने वाली अनाक्कोम्पोयिल-मेप्पडी सुरंग परियोजना स्थल के पास हुआ। लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। वायनाड जिले में अनाक्कम्पोयिल-कल्लाडी-मेप्पाडी ट्विन टनल प्रोजेक्ट (जो अभी बन रहा है) के पास हुए भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुआ एक घर दिखाई दे रहा है। इस घटना के बाद लगातार तीसरे दिन भी बचाव कार्य जारी है। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश शुरू है। लगातार हो रही बारिश के बीच वज्रपात में बुधवार को देवरिया, पीलीभीत और इटावा में तीन किसानों की मौत हो गई, जबकि आगरा, बदायूं और मथुरा में मकान व दुकान ढहने से कई लोग घायल हो गए। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-16 में एक पांच मंजिला नवनिर्मित इमारत बुधवार शाम को गिर गई। इमारत के मलबे में दबने से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे के लिए दिल्ली में मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया है।

मध्य प्रदेश में झमाझम, पानी में बहा युवक

बीते बुधवार को मध्य प्रदेश के 27 जिलों में भारी बारिश हुई। सबसे ज्यादा दमोह में 1.75 इंच बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण नदियों के जलस्तर बढ़ने लगे हैं। इस बीच खरगोन में रूपारेल नदी के तेज बहाव में एक युवक बह गया। उत्तराखंड में भी भारी बारिश का कहर जारी है। पहाड़ से लेकर मैदान तक बुधवार को भारी बारिश हुई। उत्तरकाशी में नालूपानी और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। वहीं, टिहरी में बुधवार को एनएच-707ए पर दुकानों के पास लैंडस्लाइड में एक मकान गिर गया। एमपी के कई जिलों बारिश आफत बन गई है। सरकार और प्रशासन पूरी तरह लोगों की मदद के लिए ऐक्टिव है।

गुजरात के सूरत में कम से कम 13 लोगों की मौत

गुजरात के सूरत में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बुधवार को कई जगहों पर घरों, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और दुकानों में घुस गया। सूरत के निचले इलाकों से 3,400 से ज्यादा लोगों को बचाया गया और 3,800 से ज्यादा लोगों को दूसरी जगहों पर भेजा गया। बुधवार सुबह तक पिछले 24 घंटों में सूरत में आई बाढ़ में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में से अधिकतर की मौत डूबने से हुई। सबसे अधिक मौतें दिंडोली पुलिस थाना क्षेत्र से दर्ज की गई, जहां 59 वर्षीय एक व्यक्ति सहित चार शव बरामद किए गए।

ममता बनर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट से मिल गई राहत

टीएमसी के फ्रीज बैंक अकाउंट से पैसे निकालने की मिल गई मंजूरी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट से ममता बनर्जी के गुट को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने गुरुवार को टीएमसी के रोजाना खर्चों को संभालने के लिए पार्टी के फ्रीज किए गए 3 बैंक खातों से पैसे

निकालने के लिए अनुमति दे दी है। अदालत ने इसके लिए एक स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया है। 18 जून को बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तीनों बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था। आरोप लगा था कि ये तीनों खाते अपराध से मिली रकम रखने की जगह थे। अदालत ने कलकत्ता हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर, 2026 तक ममता के नेतृत्व वाले गुट के रोजाना के खर्चों को चलाने के लिए स्पेशल ऑफीसर नियुक्त किया।

आंध्र प्रदेश में कोरोना से एक व्यक्ति की मौत

- 4 दिन इलाज चला, दोनों फेफड़े खराब हो गए थे

दो जिलों में 5 पॉजीटिव केस मिले, सरकार सतर्क

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कडप्पा में 46 साल के एक व्यक्ति की कोविड-19 से मौत हो गई। व्यक्ति को पिछले महीने 24 जून को वेल्लोर के सीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उसे निमोनिया पाया गया। कोविड की आशंका पर 26 जून को टेस्ट किया गया, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जांच में पता चला कि उसके दोनों फेफड़े गंभीर रूप से संक्रमित होकर निमोनिया की चपेट में आ गए थे। इलाज के दौरान 28 जून को उसकी मौत हो गई। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रवि बाबू ने बताया कि मृतक शराब पीता था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मृतक को सांस फूलने और खांसी की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। मृतक के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी ट्रेसिंग भी की जा रही है।

भारत में लॉन्च हुई दुनिया की पहली बेसल इंसुलिन

- डायबिटीज मरीजों को हफ्ते में एक बार ही लगाना होगा इंजेक्शन, कीमत 2611 रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने बुधवार को भारत में इंसुलिन आइकोडेक लॉन्च की। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया की पहली सप्ताह में एक बार दी जाने वाली बेसल इंसुलिन है, जो टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज के वयस्क मरीजों के लिए है। इसके आने से रोजाना लगने वाले 365 इंसुलिन इंजेक्शन घटकर साल में 52 रह जाएंगे।

पेन डिवाइस के जरिए सप्ताह में एक बार लगाया जाएगा

मुंबई के डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. राजीव कोविल ने कहा कि सबसे बड़ी खासियत इसकी प्रतिस्पर्धी कीमत है। उनके मुताबिक, यह मौजूदा दैनिक बेसल इंसुलिन के करीब है, जिससे यह तकनीक सिर्फ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि क्लिनिकल ट्रायल में इस दवा ने कई मामलों में दैनिक बेसल इंसुलिन के बराबर या उससे बेहतर ब्लड शुगर नियंत्रण दिखाया है। भारत में करीब 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं।

महाराष्ट्र में भी लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

सीएम फड़नवीस ने बनाई सात सदस्यीय कमेटी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भी अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करने को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। राज्य की फड़नवीस सरकार ने इसको लेकर गुरुवार को 7 सदस्यों वाली एक कमेटी के गठन करने ऐलान किया है। कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज रंजना देसाई करेंगी। विधानसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने बताया कि कमेटी के अन्य सदस्यों में हाई कोर्ट के पूर्व जज आर सी चव्हाण और एस जी मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डी के जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल

शामिल हैं। सीएम देवेंद्र फड़नवीस कहा कि समिति से छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है।

फड़नवीस ने सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया

इससे पहले, फड़नवीस ने कानून को लागू करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि एक समान नागरिक संहिता की अवधारणा को संविधान में निहित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का समर्थन प्राप्त है। डॉ. भीमराव अंबेडकर के दृष्टिकोण का हवाला देते हुए उन्होंने तर्क दिया कि एक साझा नागरिक ढांचा विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मामलों में समानता और एकरूपता के संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखेगा। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन सावंत ने प्रतिक्रिया दी है।

2027 में नीट परीक्षा मात्र 6 दिन चलेगी

- कम्प्यूटर बेस्ड होगी, 1000 से ज्यादा परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे

पेपर लीक विवाद के बाद एनटीए सक्रिय, बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2027 में कम से कम छह दिन चलेगी। यह पूरी तरह कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में कराई जाएगी। परीक्षा के लिए देश भर में 1 हजार से ज्यादा परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।

नीट पेपर लीक विवाद के बाद यह बदलाव किए जा रहे हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी हर साल मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए नीट आयोजित करता है। अभी तक यह परीक्षा पेन-पेपर मोड में होती रही है। नीट यूजी में हर साल करीब 25 लाख कैंडीडेट्स हिस्सा लेते हैं।

एनटीए ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि परीक्षा की नई योजना अभी तैयार की जा रही है। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा नीट की तरह सीबीएसई भी अलग-अलग दिनों में आयोजित होगी।

एग्जाम मोड में बदलाव की वजह पेपर लीक विवाद- नीट में यह बदलाव 2024 में पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों के विवाद के बाद सामने आया है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि नीट यूजी अब पेन-पेपर की बजाय पीपीपी मोड में कराई जाएगी। शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच कई वर्षों से इस बदलाव पर चर्चा चल रही थी, लेकिन परीक्षा सुधारों की प्रक्रिया पेपर लीक विवाद के बाद तेज हुई। इसी परीक्षा के नतीजों के आधार पर डेंटिस्ट्री, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में भी दाखिला दिया जाता है।

महाराष्ट्र में दोहरी मार : झमाझम बारिश के बीच लगे भूकंप के 4 झटके

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच बीते गुरुवार को मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़, हिंगोली और परभणी जिलों में भूकंप के चार हल्के झटके महसूस किए गए, जिसने आधी रात को धरती को कंपा दिया। एक अधिकारी ने बताया कि ये झटके रात 1.37 बजे से 3.23 बजे के बीच आए और रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 3.6 से 4.6 के बीच मापी गई। जिला आपातकालीन केंद्र को रात 01:37, 02:15, 02:17 और 03:23 बजे इन झटकों की सूचना मिली। पहले झटके की तीव्रता 4.6, दूसरे की 3.6, तीसरे की 3.9 और चौथे की 4.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में शिरली गांव में स्थित था। राहत की बात यह रही कि जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली, जबकि इन झटकों के आने के समय ज्यादातर लोग अपने घरों में सो रहे थे। हिंगोली, नांदेड़ और परभणी के कई निवासियों ने इन तीव्र कंपनों को महसूस किया। पहले झटके का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में पांगरा शिंदे गांव के दक्षिण में शिरली गांव के पास था, जिसकी गहराई 10 किलोमीटर दर्ज की गई। बाद के दो झटकों के केंद्र पांगरा शिंदे गांव के उत्तर-पश्चिम में स्थित ककड़धाबा गांव के पास थे और वे भी 10 किलोमीटर की गहराई पर आए। पिछले छह वर्षों में, हिंगोली जिले के औंधा नागनाथ, कलमनुरी और वसमत तालुका में 37 से अधिक हल्के भूकंप दर्ज किए गए हैं, लेकिन एक ही रात में चार झटके आना यह पहली बार दर्ज किया गया मामला है, जो स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। भूकंप मुख्य रूप से पृथ्वी की बाहरी परत में मौजूद टेक्टोनिक प्लेट्स के खिसकने या हिलने-डुलने से आते हैं। हमारी पृथ्वी की क्रस्ट कई विशाल प्लेट्स में विभाजित है जो मैग्मा की ऊपरी परत पर तैरती रहती हैं। ये प्लेटें लगातार धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर या पास आती रहती हैं। जब इन प्लेटों की सीमाओं पर घर्षण बहुत अधिक बढ़ जाता है और वे अचानक फिसलती हैं, तो भारी मात्रा में ऊर्जा मुक्त होती है। इस ऊर्जा की लहरें पृथ्वी की सतह पर कंपन पैदा करती हैं, जिसे हम भूकंप के रूप में महसूस करते हैं। इसके अलावा, ज्वालामुखी गतिविधि, बड़े बांधों का निर्माण या खदानों में किए जाने वाले विस्फोट जैसी मानवीय गतिविधियां भी छोटे भूकंपों का कारण बन सकती हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल से मापी जाती है और यह एक प्राकृतिक आपदा है जो जान-माल की भारी क्षति कर सकती है, इसलिए भूकंप-प्रतिरोधी भवन निर्माण और पूर्व चेतावनी प्रणालियों का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी, मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार को हुई। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान आंध्र प्रदेश निवासी वाई. चंद्रा रेड्डी के रूप में हुई है। वह दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की एफ कंपनी में तैनात थे। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों ने बताया कि जवान ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही उसके सहकर्मियों और संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।

हापुड़ की फैक्ट्री में आग : एक मजदूर की दर्दनाक मौत

हापुड (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में धौलाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक गद्दा फैक्ट्री में आज सुबह तड़के लगी भीषण आग ने एक मजदूर की जान ले ली और एक अन्य को गंभीर रूप से झुलसा दिया। यह दर्दनाक घटना औद्योगिक सुरक्षा मानकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। आग इतनी विकराल थी कि कई मजदूर फैक्ट्री के अंदर फंस गए थे, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय कुमार शर्मा के अनुसार, आज तड़के करीब 4 बजकर 13 मिनट पर फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। यह सूचना मिलते ही तत्काल यूपीएसआईडीसी चौकी पर तैनात वाटर बाउजर को घटनास्थल पर रवाना किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए, अग्निशमन केंद्र पिलखुआ से दो और हापुड़ से तीन वाटर टेंडर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के साथ घटनास्थल पर भेजे गए। रास्ते में ही, स्थिति की विकरालता को भांपते हुए, जनपद गाजियाबाद से भी दो अतिरिक्त वाटर बाउजर की मांग की गई और इसकी सूचना फायर सर्विस मुख्यालय को दी गई। दमकल की सभी टीमों ने मिलकर फैक्ट्री को चारों ओर से घेरकर एक संयुक्त अभियान चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

तेज रफ्तार कार लॉरी से टकराई, 7 की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

-कार में नौ लोग सवार थे वे सभी चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार तड़के एक कार और लॉरी की आमने-सामने की टक्कर होने से सात लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह हादसा एनएच-52 पर अराबैल घाट इलाके में बालागारा क्रॉस के पास रात करीब 1.30 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों को पहले पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में हुबली रेफर कर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक एमयूवी में ड्राइवर समेत नौ लोग सवार थे और वे धारवाड़ से धर्मस्थल और चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे। जानकारी से पता चला है कि गाड़ी का ड्राइवर एक फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ पार्ट-टाइम डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर संजीव तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। वह सड़क के एकदम दाईं ओर चला गया और अंकोला की ओर से आ रही लॉरी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मरने वाले सभी लोग धारवाड़ के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान ड्राइवर संजय अंगड़ी (33), बसवराज (48), अभिषेक ईश्वर (28), अक्षय (26), अभिषेक (26) और मंजूनाथ चुलाकी (32) में हुई है।

दिल्ली को दहलाने वाली साजिश का बड़ा खुलासा

बस अड्डा, रेलवे स्टेशन और थाने समेत कई जगहों पर होने वाला था हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली को दहलाने की एक बड़ी आतंकी साजिश का दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भंडाफोड़ किया है, जिसमें गिरफ्तार पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क से जुड़े छह संदिग्धों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, इन संदिग्धों के निशाने पर दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस, आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) और एक रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण स्थान थे। आरोपियों ने इन ठिकानों की बाकायदा रेकी की थी और इसके वीडियो भी उनके मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलर को भेजा गया था।

स्पेशल सेल के अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि पकड़े गए संदिग्धों को पाकिस्तान में बैठा आईएसआई हैंडलर शहजाद भट्टी सीधे निर्देश दे रहा था। उसके निशाने पर केवल दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरा उत्तर भारत था, जिसमें कई बेहद महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान और भीड़भाड़ वाले इलाके शामिल थे। भट्टी भारत में युवाओं को बरगलाने और अपने नेटवर्क में शामिल करने के लिए इंस्टा, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लेता था। दिल्ली पुलिस ने इस गैंग से जुड़े करीब दर्जन भर आतंकी गिरोहों का भंडाफोड़ करते हुए पिछले एक साल में 60 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और ऐसे 100 से अधिक संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट्स और चैनलों को चिह्नित करके बंद करा चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार आतंकियों ने दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस (सिविल लाइंस), आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी), एक रेलवे स्टेशन और दिल्ली के कई बेहद व्यस्त बाजारों की पूरी जानकारी जुटाने के लिए विस्तृत रेकी की थी। इन संवेदनशील स्थानों के रेकी वीडियो आरोपियों के मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं को भेजा गया था। स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी दानिश उर्फ चांद मियां को दिल्ली में रेकी करने और पेट्रोल बम से हमला करने का जिम्मा सौंपा गया था, जिसके लिए भट्टी ने उसे 20 हजार रुपये का लालच दिया था। वहीं, सलमान को पेट्रोल बम हमले का वीडियो रिकॉर्ड करने की जिम्मेदारी दी गई थी ताकि उसे दुष्प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जा सके। गिरफ्तार आरोपियों और भट्टी के बीच हुई बातचीत के अंश भी सामने आए हैं, जिसमें भट्टी दानिश से मटेरियल (सामान) शाम को डिलीवर हो जाएगा, कलेक्ट कर लो और क्या पूरा सामान मिल गया? जैसे निर्देश देता है। जवाब में दानिश सबकुछ कलेक्ट कर लिया कहता है और फिर अगला टास्क क्या है? पूछता है, जिस पर भट्टी मटेरियल को पूरी सुरक्षा के साथ तैयार रखो और अगला हुक्म मिलने का इंतजार करो का आदेश देता है। स्पेशल सेल की जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि ये छह आरोपी केवल शहजाद भट्टी ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे 10 अन्य संदिग्धों के भी लगातार संपर्क में थे, जो भट्टी नेटवर्क के लिए ही काम करते हैं। पुलिस अब इन सभी विदेशी हैंडलर्स की भूमिका और भारत में उनके बाकी स्लीपर सेल्स की तलाश में गहन जांच कर रही है, ताकि इस पूरे आतंकी नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके।

दिल्ली के रिज इलाके में सामान्य से दोगुनी बारिश, एक्यूआई 10 महीने में सबसे शुद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जुलाई की शुरुआत के साथ ही मानसून का आक्रामक रूप देखने को मिल रहा है। दिल्ली के रिज क्षेत्र में जुलाई के शुरुआती आठ दिनों में सामान्य से दोगुनी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इस मूसलाधार बारिश ने जहां एक तरफ दिल्लीवालों को भीषण जाम और जलभराव की मुसीबत में डाल दिया, वहीं दूसरी तरफ शहर की हवा को पिछले 10 महीनों में सबसे साफ और शुद्ध बना दिया है। भारी बारिश के कारण शहर की सड़कों पर जलभराव और जाम के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। आईएमडी के मुताबिक रिज मौसम केंद्र में 1 जुलाई से 8 जुलाई सुबह 8.30 बजे तक 79.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के लिए दीर्घकालिक औसत 31.2 मिमी है। बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव और यातायात जाम की स्थिति पैदा हो गई। रोहतक रोड पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां पंजाबी बाग और शादीपुर के बीच कई घंटों तक यातायात ठप रहा। कम दृश्यता और जलभराव के कारण रिंग रोड, आउटर रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। शहर का 24 घंटे का एक्यूआई 59 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में था। 4 सितंबर 2025 के बाद बुधवार को एक्यूआई सबसे कम रहा। उस दिन एक्यूआई 58 दर्ज किया गया था। सीपीसीबी के मुताबिक शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा' माना जाता है, जबकि 51 से 100 के बीच का एक्यूआई 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। आईएमडी ने गुरुवार के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है और आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 डिग्री सेल्सियस और 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं है गडकरी परिवार: नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत की एथनॉल नीति को लेकर जारी चर्चाओं के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने एथनॉल उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी और इससे जुड़े आर्थिक लाभों के आरोपों पर खुलकर जवाब दिया। एक हालिया साक्षात्कार में, गडकरी ने उन दावों को सिरे से खारिज किया कि वह एथनॉल नीति से कोई बड़ा आर्थिक फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एथनॉल के उत्पादन में उनकी भागीदारी अत्यंत छोटी है, जो मात्र 0.07 प्रतिशत है। इतनी कम हिस्सेदारी के साथ किसी भी बड़े आर्थिक लाभ की बात को उन्होंने निराधार बताया और यह भी कहा कि 0.07 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला व्यक्ति देश की इतनी महत्वपूर्ण नीति को अपने निजी लाभ के लिए प्रभावित नहीं कर सकता।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि वह हमेशा वैकल्पिक ईंधन के प्रबल समर्थक रहे हैं, न कि केवल एथनॉल के। उनके अनुसार, एथनॉल का व्यापक उपयोग किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी है। उन्होंने बताया कि एथनॉल नीति का निर्णय अकेले उनके द्वारा नहीं लिया गया है, बल्कि यह पेट्रोलियम मंत्रालय, कैबिनेट और गहन वैज्ञानिक अनुसंधान के बाद एक सामूहिक प्रक्रिया का परिणाम है। उन आरोपों का भी उन्होंने जवाब दिया जिनमें कहा गया था कि उनके परिवार के सदस्यों की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन में शामिल हैं और इसलिए वे एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दे रहे हैं। गडकरी ने स्पष्ट किया कि उनके परिवार की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि देश में एथनॉल की अधिकता के कारण मक्के से एथनॉल बनाने का कदम उठाया गया, जिससे उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई। गडकरी ने आंकड़े देते हुए बताया कि जब यह निर्णय लिया गया, तब मक्के की बाजार कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 1,800 रुपये प्रति क्विंटल था। इस नीति के परिणामस्वरूप, मक्के की कीमत बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिला। ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों को नुकसान पहुंचने की अफवाहों पर भी गडकरी ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया था। उन्होंने चुनौती दी कि कोई भी एक ऐसी कार का नाम बताए जिसमें ई20 पेट्रोल के कारण कोई समस्या आई हो। उन्होंने आरोप लगाया कि एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लेकर गलत बातें फैलाई जा रही हैं और यह एक पैसे से चलाया जा रहा अभियान है।

देहरादून महायोजना-2041: जनभागीदारी से संवरेगा शहर का भविष्य, चौथे दिन सेक्टर-04 के निवासियों ने रखे सुझाव

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। राजधानी के भावी विकास की दिशा तय करने वाली 'देहरादून महायोजना-2041' को अंतिम रूप देने के लिए मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) का जनसंवाद अभियान पूरे जोर-शोर से जारी है। अभियान के चौथे दिन नगर निगम परिसर में आयोजित जनसुनवाई शिविर में सेक्टर-04 के नागरिकों, भू-स्वामियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और शहर के विकास को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

भू-उपयोग और यातायात पर रहा जोर

जनसुनवाई के दौरान लोगों ने भू-उपयोग, सड़क नेटवर्क, यातायात प्रबंधन, हरित क्षेत्रों के संरक्षण और सार्वजनिक सुविधाओं जैसे बुनियादी विषयों पर अपने पक्ष रखे। इस दौरान प्राधिकरण के अधिकारियों ने सभी सुझावों और आपत्तियों का विधिवत रिकॉर्ड तैयार किया।

जनता की राय से बनेगी समावेशी योजना: एमडीडीए उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि यह जनसंवाद अभियान नागरिकों को विकास की निर्णय प्रक्रिया से सीधे जोड़ने का एक प्रयास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महायोजना-2041 केवल भूमि उपयोग का दस्तावेज नहीं, बल्कि अगले डेढ़ दशक के विकास, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधाओं की व्यापक रूपरेखा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से मिल रहे सुझाव महायोजना को अधिक समावेशी और व्यावहारिक बनाएंगे।

सुझावों का होगा तकनीकी परीक्षण:एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि पूरी प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित किया जा रहा है। प्राप्त प्रत्येक सुझाव और आपत्ति का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है, जिसका विशेषज्ञों के माध्यम से तकनीकी और विधिक परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में आकर शहर के सतत विकास में अपना सहयोग दें।

अभियान के मुख्य बिंदुः

- उद्देश्यः विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना।
- भागीदारीः भू-स्वामियों, नागरिकों और सामाजिक संगठनों द्वारा सीधे सुझाव।
- प्रक्रियाः प्राप्त सभी आपत्तियों और सुझावों का तकनीकी एवं विधिक परीक्षण होगा।
- समय सीमाः जनसंवाद अभियान 21 जुलाई 2026 तक सभी 12 सेक्टरों में जारी रहेगा।

अगला चरणः जनसुनवाई का कार्यक्रम शुक्रवार सेक्टर-05 महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज एमडीडीए ने सभी संबंधित सेक्टरों के निवासियों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने संबंधित केंद्रों पर पहुंचकर महायोजना को बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

निज्जर हत्याकांड पर नए घटनाक्रम के बीच बयानबाजी तेज

-पूर्व विदेश सचिव ने उठाए सवाल

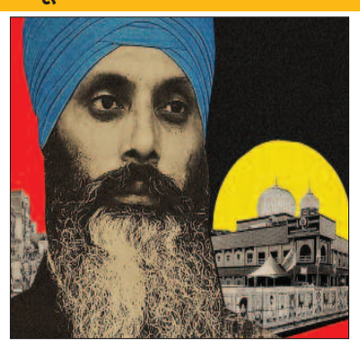

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हुई हत्या के मामले में हालिया जांच संबंधी घटनाक्रम के बाद भारत-कनाडा संबंधों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और कूटनीतिक बहस तेज हो गई है। कनाडा की पुलिस ने हाल में कहा है कि मौजूदा संगठित अपराध संबंधी जांच और दायर आरोपों में भारतीय सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता का कोई साक्ष्य सामने नहीं आया है।

इसी घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका के क्रिस्टोफर क्लैरी ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की कि कनाडाई अधिकारी इस मुद्दे पर सीधे जवाब देने से बच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आधिकारिक बयान विवाद के मूल प्रश्न से ध्यान हटाने का प्रयास प्रतीत होता है। इस टिप्पणी पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि यदि जांच एजेंसियां यह कह रही हैं कि उपलब्ध जांच और आरोपों में भारतीय सरकार से जुड़ा कोई साक्ष्य नहीं मिला है, तो इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटनाक्रम से पूर्व में लगाए गए आरोपों पर नए सिरे से चर्चा की आवश्यकता महसूस होती है।

कनाडा की जांच एजेंसियों का कहना है कि हालिया कार्रवाई मुख्य रूप से संगठित अपराध गिरोहों के खिलाफ की गई है। इसी क्रम में अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगियों पर निज्जर हत्या की साजिश रचने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, अमेरिकी अभियोग में भी भारतीय सरकार पर प्रत्यक्ष आरोप नहीं लगाया गया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने शुरू से ही निराधार बताते हुए खारिज किया था। हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के बीच इस मामले को लेकर बहस एक बार फिर चर्चा में है, जबकि जांच से जुड़े अन्य पहलुओं पर संबंधित एजेंसियों की कार्रवाई जारी है।

ममता बनर्जी ने घर के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं को जड़े थप्पड़

-टीएमसी की रैली में हुआ था जोरदार हंगामा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की विरोध रैली के दौरान उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब रैली पर कथित तौर पर अंडे फेंके गए और भाजपा तथा टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने आवास के बाहर मौजूद भीड़ पर नाराज होती दिखाई दीं और धक्का-मुक्की के दौरान उन्होंने अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को थप्पड़ जड़ दिए। इस घटना के वीडियो फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। टीएमसी ने यह रैली बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में निकाली थी। पार्टी को इस रैली के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति मिली थी। रैली बालीगंज फाड़ी से हाजरा क्रॉसिंग तक निकाली जा रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने रैली में शामिल कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंके और 'चोर-चोर' के नारे लगाए, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया। पार्टी का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थकों ने रैली में व्यवधान डालने का प्रयास किया और मारपीट की घटनाएं भी हुईं। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है और पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रही है। रैली के दौरान बालीगंज स्थित मुख्यमंत्री के आवास के पास भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प बढ़ गई, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज भी किया। घटना के बाद बड़ी संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री के घर के बाहर पहुंच गए। भीड़ और धक्का-मुक्की के बीच ममता बनर्जी लोगों को पीछे हटने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहती नजर आईं। इसी दौरान उन्होंने सामने मौजूद तीन लोगों को कथित तौर पर थप्पड़ मारे, जिसका वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। उल्लेखनीय है कि बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी प्रभास मंडल पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है, जबकि फरार आरोपी कबीर मोल्ला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

तबाही मचाने आ रहा है महातूफान बावी, कई देशों में हाई अलर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में उठा फ्रांस के आकार का महाविनाशकारी टाइफून बावी अब ताइवान और चीन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाले इस शक्तिशाली तूफान के कारण ताइवान, चीन और जापान में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। गुरुवार को यह तूफान ताइवान के दक्षिण-पूर्व में पहुंच गया है, हालांकि रात भर में इसकी हवाओं की गति में मामूली कमी आई है, लेकिन इसका खतरा अभी भी बहुत बड़ा है। प्रशासन ने इसे कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफान बताते हुए निवासियों से अपील की है कि वे जरूरी सामानों का स्टॉक कर लें और किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहें। मौसम विज्ञान के आंकड़ों के अनुसार, टाइफून बावी का भारत पर सीधा कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। दरअसल, यह महातूफान प्रशांत महासागर में बना है और इसका ट्रैक उत्तर-पश्चिम की ओर, यानी ताइवान, पूर्वी चीन और दक्षिणी जापान की ओर है, इसलिए भारत के किसी भी तटीय इलाके में इसके टकराने की कोई आशंका नहीं है। हालांकि, मौसम विज्ञान के नजरिए से प्रशांत महासागर के इतने विशाल तूफानों का एशियाई मौसम प्रणालियों पर अप्रत्यक्ष असर जरूर देखने को मिलता है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, टाइफून बावी के विशाल घेरे के कारण फिलीपींस और दक्षिण-चीन सागर के आसपास चलने वाला दक्षिण-पश्चिम मॉनसून (हबागाट) काफी तीव्र हो गया है। बावी के असर से वहां भारी बारिश और बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। इसका मतलब है कि तूफान ने उस क्षेत्र के मानसून को अतिरिक्त ऊर्जा दे दी है, जो आमतौर पर भारतीय सिस्टम से नमी को दूर ले जाता है।

1,000 किमी के क्षेत्र में फैला

वर्तमान में, यह तूफान अपने सबसे चौड़े बिंदु पर लगभग 1,000 किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है, जो आकार में लगभग फ्रांस देश की चौड़ाई के बराबर है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, यह तूफान ताइवान के उत्तरी हिस्से को छूते हुए शनिवार शाम को चीन के पूर्वी फुजियान प्रांत के तटों से टकराएगा। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अधिकारी जेसन चांग ने बताया कि आकार के लिहाज से यह 1987 के बाद ताइवान से टकराने वाला सबसे बड़ा तूफान है, और हाल के वर्षों में इतने बड़े आकार के तूफानों का आना बहुत दुर्लभ रहा है।

चीन और जापान व ताइवान का हाल

भारत के पड़ोसी देश चीन और जापान व ताइवान जैसे देश जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार विनाशकारी मौसमी घटनाओं का सामना कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के लिए यह साल विशेष चिंता का विषय है क्योंकि अल नीनो प्रभाव के उभरने की उम्मीद है, जिसके कारण समुद्र का तापमान बढ़ता है और इस तरह के टाइफून अधिक बार तथा कहीं ज्यादा विनाशकारी रूप में आते हैं। एक्यूवेदर के अनुसार, अगर टाइफून बावी अपनी मौजूदा ताकत बनाए रखता है, तो यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 2024 में आए सुपर टाइफून कोंग-रे के बाद सबसे शक्तिशाली तूफान बन जाएगा।

विद्यालयी वाहनों में सुरक्षा नियमों का सख्ताई से पालन करें अधिकारी : अपर जिलाधिकारी नगर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी नगर गाजियाबाद की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों के सुरक्षित आवागमन तथा शासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी नगर ने बैठक में कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि विद्यालयी वाहनों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले वाहन संचालकों एवं संस्थाओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में विद्यालयी वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार किट, जीपीएस, सीसीटीवी कैमरे, स्पीड गवर्नर तथा वाहन चालकों एवं परिचालकों के पुलिस सत्यापन की स्थिति की समीक्षा की गई। समिति ने निर्देश दिए कि सभी विद्यालय निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करें। विनीत कुमार मिश्र, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गाजियाबाद ने अवगत कराया कि जनपद में संचालित विद्यालयी वाहनों का

नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है तथा नियमों के उल्लंघन के मामलों में प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है। पुलिस, शिक्षा एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन को यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, वाहन चालकों को नियमित प्रशिक्षण देने तथा विद्यार्थियां को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में समिति ने सभी विद्यालय संचालकों से अपील कि वह विद्यालयी वाहनों के संचालन में निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन करें तथा विद्यार्थियों के सुरक्षित एवं सुगम परिवहन को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उक्त बैठक में विनीत कुमार मिश्र एआरटीओ प्रवर्तन, अंकिता शुक्ला एआरटीओ प्रवर्तन, राजेश्वर कुशवाहा, आशुतोष उपाध्याय, जीत बहादुर सिंह, यात्रीकर अधिकारी, ओपी यादव बेसिक शिक्षा अधिकारी, सतीश कुमार पाण्डेय सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक, राजकुमार भारद्वार ट्रैफिक इन्सपेक्टर, राजेन्द्र सिंह सहायक अभियन्ता नगर निगम आदि सहित विभिन्न विद्यालयों के संचालक उपस्थित रहे।

शालीमार गार्डन पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 1 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 1 अभियुक्त जाकिर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से चोरी की एक एक्टिवा स्कूटी, एक अवैध तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि थाना शालीमार गार्डन पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी की स्कूटी के साथ इलाके में मौजूद है। सूचना के आधार पर

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए डीएलएफ क्षेत्र स्थित शौचालय कट के पास घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जाकिर पुत्र साकिर निवासी नई सीमापुरी, थाना सीमापुरी, दिल्ली के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 30 वर्ष है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक चोरी की एक्टिवा स्कूटी, एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामद स्कूटी के संबंध में जांच करने पर पता चला कि यह वाहन शालीमार गार्डन क्षेत्र से चोरी हुई थी। अभियुक्त के खिलाफ थाना शालीमार गार्डन और थाना साहिबाबाद में चोरी, चोरी के माल की बरामदगी तथा आर्म्स एक्ट से संबंधित दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस अब उसके अन्य आपराधिक मामलों और गतिविधियों की भी जांच कर रही है, ताकि उसके नेटवर्क और अन्य वारदातों का खुलासा किया जा सके। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि करीब छह महीने पहले उसने साहिबाबाद क्षेत्र के यशिका पार्क इलाके से उक्त स्कूटी चोरी किया था। बरामद तमंचा वह लोगों को डराने-धमकाने के उद्देश्य से अपने पास रखता था। उसे नशे की लत है और नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए वह चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। घटना वाले दिन भी वह मोटरसाइकिल, स्कूटी तथा बंद पड़े मकानों में चोरी करने की नीयत से क्षेत्र में आया था, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

नवजात शिशुओं की खरीद फरोख्त के फरार 1 अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस और स्वाट टीम ग्रामीण जोन को मानव तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नवजात शिशुओं की खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह के फरार सदस्य प्रदीप मेहता को गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त बिहार के मधेपुरा जनपद का निवासी है और लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। बीती 26 मई 2026 को थाना ट्रोनिका सिटी में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नवजात बच्ची को बिना बताए घर से ले जाकर मोनू उर्फ मनोज नामक व्यक्ति को सौंप दिया गया है। मामले की गंभीरता

को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर एक संगठित मानव तस्करी गिरोह का पदार्फाश किया। कार्रवाई के दौरान अपहृत 11 दिन की नवजात शिशु को सकुशल बरामद कर लिया गया था तथा अब तक इस मामले में 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस द्वारा की गई लगातार तलाश के बाद फरार चल रहे अभियुक्त प्रदीप मेहता को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह गिरोह के सदस्यों अनिल लक्कड़, करुण और मनोज उर्फ मोनू के संपर्क में था। गिरोह गरीब परिवारों से बच्चों को कम कीमत पर खरीदकर अधिक धनराशि में बेचने का काम करता था। प्रदीप मेहता का काम नकली नोट तैयार करना था, जिनका इस्तेमाल बच्चों की खरीद-फरोख्त में किया जाता था। गिरोह के सदस्य उसे नकली नोटों के बदले अलग से रकम और बच्चों की बिक्री में हिस्सा देने का लालच देते थे। इसी लालच में आकर वह इस अवैध कारोबार से जुड़ गया। गिरोह के कई सदस्य पकड़े जाने के बाद उसने गिरफ्तारी के डर से नकली नोट छापने वाले अपने प्रिंटर को नष्ट कर नदी में फेंक दिया था। सहायक पुलिस आयुक्त सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ संबंधित मुकदमे में विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उसके आपराधिक इतिहास और गिरोह से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है। मानव तस्करी और नवजात शिशुओं की खरीद-फरोख्त जैसे जघन्य अपराधों में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। मामले में शेष फरार आरोपियों की तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

बारिश के बाद टांडा माजरा में जलभराव से हालात बदतर, घरों और गलियों में घुसा तालाब का गंदा पानी

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव टांडा माजरा में लगातार हो रही बारिश के बाद जलभराव की गंभीर समस्या ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गांव के मुख्य तालाब का पानी ओवरफ्लो होकर गलियों और लोगों के घरों में घुस गया है, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। कई स्थानों पर गंदा पानी भर जाने से लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है और संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार वर्षा के कारण तालाब का जलस्तर

बढ़ गया और गंदा पानी गांव की गलियों में फैल गया। हालात ऐसे हैं कि लोगों को घर से बाहर निकलने के लिए दूषित पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। विनोद, लोकेंद्र, बबलू, अशोक, अनुज और परविंदर सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि जलभराव के कारण बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक परेशान हैं। कई परिवार घरों में ही रहने को मजबूर हैं, जबकि गंदे पानी से दुर्गंध फैलने के साथ मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने बताया कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं कराई गई है। उनका कहना है कि यदि समय रहते नालियों की सफाई, जलनिकासी और तालाब का जीर्णोद्धार कराया जाता तो यह समस्या उत्पन्न नहीं होती। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जलभराव की समस्या दूर कराने, तालाब का जीर्णोद्धार कराने तथा गांव में प्रभावी जलनिकासी व्यवस्था विकसित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीण आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

चेकिंग के दौरान अवैध चाकू समेत युवक गिरफ्तार, सिम्भावली पुलिस की कार्रवाई

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिम्भावली थाना पुलिस ने नियमित चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार नवादा रेलवे फाटक के पास चेकिंग के दौरान संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से अवैध चाकू बरामद हुआ। पूछताछ

में आरोपी ने अपना नाम अब्दुल सलाम पुत्र जलील अहमद, निवासी गली नंबर-11, करीमनगर, थाना नौचंदी, जनपद मेरठ बताया।
थाना सिम्भावली में आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक चन्द्रपाल सिंह, हेड कांस्टेबल उदय सिंह तथा कांस्टेबल सचिन कुमार शामिल रहे।

आरोपी शिक्षक निलंबित, प्रबंध समिति से भी हटाया गया

छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में पहले ही हो चुकी है गिरफ्तारी

हापुड़ (शिखर समाचार)। दिल्ली रोड स्थित एक इंटर कॉलेज में छात्रा से कथित छेड़छाड़, अश्लील टिप्पणी और सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक संदेश भेजने के आरोप में गिरफ्तार किए गए शिक्षक के खिलाफ कॉलेज प्रबंधन ने भी सख्त कार्रवाई की है। गुरुवार को आयोजित प्रबंध समिति की आपात बैठक में आरोपी शिक्षक डॉ. विजय कुमार मित्तल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। साथ ही उन्हें प्रबंध समिति में शिक्षक प्रतिनिधि के पद से भी हटा दिया गया। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।
जानकारी के अनुसार दिल्ली रोड स्थित इंटर कॉलेज में अर्थशास्त्र के शिक्षक डॉ. विजय कुमार मित्तल के विरुद्ध इंटरमीडिएट की एक छात्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। छात्रा का आरोप है कि पिछले दो वर्षों से

शिक्षक कक्षा में उसके प्रति अशोभनीय टिप्पणियां करते थे तथा इंस्टाग्राम के माध्यम से आपत्तिजनक संदेश भेजते थे। विरोध करने पर उसे धमकाने का भी आरोप लगाया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया था।
इस प्रकरण के बाद गुरुवार को कॉलेज परिसर में प्रबंध समिति की आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, प्रबंधक सुधीर चोटी और प्रधानाचार्य विजय गर्ग ने पूरे मामले की जानकारी सदस्यों के समक्ष रखी। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद समिति ने आरोपी शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने तथा उन्हें प्रबंध समिति में शिक्षक प्रतिनिधि के दायित्व से हटाने का निर्णय लिया।
प्रबंध समिति ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए वरिष्ठ सदस्य अमित अग्रवाल के संयोजन में धर्मेंद्र शर्मा और विजय गुप्ता को सदस्य बनाते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट प्रबंध समिति को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।
प्रबंधक सुधीर चोटी और प्रधानाचार्य विजय गर्ग ने संयुक्त रूप से कहा कि कॉलेज में छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि आवश्यक हुआ तो नियमानुसार और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कावड़ यात्रा को लेकर जिलाधिकारी सख्त, नहरों की सफाई और बैरिकेडिंग के दिए निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। कावड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्विघ्न संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सिंचाई विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कावड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली नहरों, राजवाहों, पुलियों और जलाशयों की सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया गया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कावड़ मार्ग पर स्थित सभी नहरों, पुलियों और घाटों की सिल्ट एवं गंदगी की सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने गहरे जल वाले स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड लगाने, बैरिकेडिंग कराने तथा सुरक्षा के लिए रस्सियां लगाने के निर्देश भी दिए। बैठक में यह भी तय किया गया

कि सभी खतरनाक स्थलों को चिह्नित कर पुलिस के साथ संयुक्त गश्त की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को समय रहते रोका जा सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कावड़ यात्रा की अवधि में कावड़ियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और नहरों में जल प्रवाह नियंत्रित रखा जाए। बिना पूर्व सूचना के अचानक पानी न छोड़ा जाए, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार का जोखिम उत्पन्न न हो।
जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से विभागीय समन्वय बनाए रखते हुए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

लगातार बारिश में कच्चे मकान की छत गिरी, मजदूर की मौत, बेटा घायल

हापुड़ (शिखर समाचार)। लगातार हो रही बारिश के बीच पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सद्दीकपुरा में गुरुवार तड़के एक कच्चे मकान की छत भरभराकर गिर गई। हादसे में 52 वर्षीय मजदूर अशफाक की मौत हो गई, जबकि उनका 17 वर्षीय बेटा कासिम घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
जानकारी के अनुसार अशफाक बुधवार रात अपने बेटे कासिम के साथ घर में सो रहे थे। तड़के अचानक कच्चे मकान की छत गिर गई, जिससे दोनों मलबे में दब गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने अशफाक को मृत घोषित कर दिया, जबकि कासिम का उपचार जारी है। थाना प्रभारी निरीक्षक अतुल चौहान ने बताया कि मृतक मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके दोनों बेटे भी मजदूरी करते हैं। परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य की मौत से घर में मातम पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लगातार बारिश से हापुड़-पिलखुवा जलमग्न, नगर पालिका के दावों की खुली पोल

हापुड़ (शिखर समाचार)। बुधवार शाम से शुरू हुई बारिश गुरुवार देर शाम तक रुक-रुककर जारी रही। लगातार हुई वर्षा से जहां लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली, वहीं हापुड़ और पिलखुवा के कई इलाकों में जलभराव ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। मौसम विभाग ने 10 और 11 जुलाई को भी बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। तेज बारिश के कारण हापुड़ के छज्जूपुरा, अतरपुरा चौपला, स्वर्ग आश्रम रोड, शिवपुरी, मजीदपुरा, कोठी गेट, गोल मार्केट, गढ़ रोड सहित कई क्षेत्रों में सड़कें पानी से लबालब हो गईं। वहीं पिलखुवा के रेलवे रोड, शिवाजी नगर, रमपुरा रोड, गांधी बाजार, चंडी मंदिर मार्ग और आसपास के मोहल्लों में भी जलभराव की स्थिति बनी रही। स्कूली बच्चों और राहगीरों को पानी से भरी गलियों से होकर गुजरना पड़ा। नगर पालिका परिषद ने बारिश से पहले जलभराव न होने के दावे किए थे, लेकिन पहली ही तेज बारिश में इन दावों की पोल खुल गई। जगह-जगह भरे पानी से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। धौलाना क्षेत्र के किसान भवेन्द्र सिंह शिशौदिया ने बताया कि यह बारिश धान, गन्ना और दलहन की फसलों के लिए लाभदायक है। वहीं वझीलपुर निवासी किसान ज्ञानेन्द्र त्यागी ने कहा कि खेतों में पानी भरने से लौकी, तोरी, करेला, काशीफल, पालक जैसी बेल वाली सब्जियों की फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है।

बिना सूचना बिजली कनेक्शनों का भार बढ़ाने पर व्यापार मंडल ने जताया विरोध

शामली (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल (पंजीकृत) ने विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की जानकारी और सहमति के बिना बिजली कनेक्शनों का स्वीकृत भार बढ़ाए जाने के मामले को गंभीर बताते हुए इसका विरोध किया है। संगठन के सहारनपुर मंडल अध्यक्ष अंकित जैन ने कहा कि विभाग की इस कार्यप्रणाली से व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनेक उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शनों का भार बिना किसी पूर्व सूचना के बढ़ा दिया गया है, जिसके कारण उनके बिजली बिलों में अतिरिक्त स्थायी शुल्क जोड़ा जा रहा है। अंकित जैन ने कहा कि किसी भी उपभोक्ता के बिजली कनेक्शन का भार बढ़ाने से पहले उसकी सहमति लेना तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सूचना देना आवश्यक है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो यह उपभोक्ताओं के अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल को विभिन्न क्षेत्रों से लगातार ऐसी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जिनमें उपभोक्ताओं ने बिना अनुरोध किए ही अपने कनेक्शनों का भार बढ़ा हुआ पाया है और उसके कारण उनके बिलों में अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में व्यापार मंडल शीघ्र ही जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेगा। ज्ञापन में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, बिना अनुमति बढ़ाए गए बिजली भार को पूर्व स्थिति में बहाल करने तथा उपभोक्ताओं से वसूले जा रहे अतिरिक्त स्थायी शुल्क को निरस्त करने की मांग की जाएगी। साथ ही संगठन ने जिले के सभी प्रभावित उपभोक्ताओं और व्यापारियों से अपील की है कि वे अपनी शिकायतें तथा संबंधित दस्तावेज व्यापार मंडल को उपलब्ध कराएं, ताकि सामूहिक रूप से इस मुद्दे को प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जा सके। व्यापार मंडल ने स्पष्ट किया है कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आगे आंदोलनात्मक कदम उठाने पर भी विचार किया जाएगा।

इनर व्हील क्लब शामली की नई कार्यकारिणी का गठन, प्रिया भट्ट बनीं अध्यक्ष

शामली (शिखर समाचार)। इनर व्हील क्लब ऑफ शामली के नव सत्र का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर आयोजित पदभार ग्रहण समारोह में नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन तथा इनर व्हील प्रार्थना के साथ हुआ। इसके बाद क्लब की गतिविधियों और आगामी सामाजिक योजनाओं पर चर्चा करते हुए नई टीम को बधाई दी गई।
समारोह में प्रिया भट्ट को क्लब का अध्यक्ष, पूनम गर्ग को उपाध्यक्ष, रेखा गोयल को सचिव, उषा गोयल को कोषाध्यक्ष, सुधा अग्रवाल को अंतरराष्ट्रीय सेवा समन्वयक (आईएसओ) तथा रश्मि वर्मा को संपादक का दायित्व सौंपा गया। पूर्व अध्यक्ष बीना अग्रवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रिया भट्ट को

अध्यक्षीय कॉलर पहनाकर विधिवत पदभार ग्रहण कराया और नई टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।
नवनियुक्त अध्यक्ष प्रिया भट्ट ने कहा कि इनर व्हील क्लब समाज सेवा की भावना के साथ निरंतर कार्य करता रहा है और नए सत्र में भी सेवा, सहयोग और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से संबंधित गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा, ताकि क्लब की सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके।
कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए क्लब के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मीनाक्षी माहेश्वरी, चंचल माहेश्वरी, अनीता जैन, बृजलता तथा बीना गर्ग सहित क्लब की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं।

गढ़-मेरठ रोड की बदहाली और बिजली संकट पर भाकियू संघर्ष का प्रदर्शन, समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़-मेरठ रोड की जर्जर हालत, बिजली व्यवस्था की बदहाली और चकबंदी विभाग में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (संघर्ष) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरजीत गुर्जर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नवका कुआं कार्यालय से शहीद पार्क तक पैदल मार्च निकालकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि गढ़-मेरठ रोड पर गड्ढों और जलभराव के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। पिछले पांच वर्षों से करीब पांच किलोमीटर सड़क का निर्माण अधूरा पड़ा है, जिससे लगभग एक दर्जन लोगों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।
कार्यकर्ताओं ने बिजली विभाग पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि

करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद बिजली आपूर्ति और व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है, जिससे आम जनता को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं चकबंदी विभाग में बिना रिश्वत कार्य न होने का भी आरोप लगाया गया।
धरना-प्रदर्शन की सूचना पर नायब तहसीलदार वेद प्रकाश सोनी मौके पर पहुंचे और संबंधित विभागों के अधिकारियों को बुलाकर समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा।
भाकियू संघर्ष के पदाधिकारियों ने कहा कि सड़क और बिजली की समस्याओं को लेकर संगठन पहले भी कई बार आंदोलन कर चुका है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं और जमीनी स्तर पर कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

निरीक्षण में मिलीं अनियमितताएं, महिला खाद्य अधिकारी से अभद्रता का आरोप

मोदीनगर (शिखर समाचार)। तिबड़ा रोड स्थित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी के साथ अभद्रता और उनका मोबाइल फोन छीनकर निरीक्षण संबंधी अभिलेख नष्ट करने के प्रयास का मामला सामने आया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को विस्तृत शिकायत भेजकर संबंधित राशन दुकान का आवंटन निरस्त करने तथा आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की संस्तुति की है। प्रशासन ने भी पूरे प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सवेज पवार ने बताया कि बुधवार को वह तिबड़ा रोड स्थित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान का औचक निरीक्षण करने पहुंची थीं। यह दुकान आशा देवी के नाम आवंटित है। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। दुकान पर आवश्यक सूचना पट्ट और निर्धारित विवरण प्रदर्शित नहीं किए गए थे। मांगने पर स्टॉक पंजिका तत्काल उपलब्ध नहीं कराई गई तथा बाद में प्रस्तुत की गई पंजिका में भी कई आवश्यक प्रविष्टियां अधूरी मिलीं। जांच में यह भी पाया गया कि जिस स्थान के लिए दुकान का आवंटन किया गया था, उसके स्थान पर बिना विभागीय अनुमति के किसी अन्य स्थान से दुकान का संचालन किया जा रहा था। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी का आरोप है कि निरीक्षण के दौरान आशा देवी के पति नीरज त्यागी मौके पर पहुंचे और उन्होंने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि उन्होंने अधिकारी का मोबाइल फोन छीन लिया तथा उसमें सुरक्षित निरीक्षण संबंधी जानकारी और अभिलेखों को नष्ट करने का प्रयास किया। घटना के बाद अधिकारी ने पूरे मामले की लिखित शिकायत अपने वरिष्ठ अधिकारियों को भेजते हुए आरोपित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई तथा राशन दुकान का आवंटन निरस्त किए जाने की मांग की है। उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि मामले से संबंधित अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

महिला के अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित, मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर की एक कॉलोनी निवासी महिला के अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़िता और उसके परिवार में दहशत का माहौल है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपी के विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस के अनुसार नगर की एक कॉलोनी में रहने वाली महिला ने शिकायत में बताया कि एक युवक उसकी सास को समय-समय पर धार्मिक यात्राओं पर ले जाया करता था। आरोप है कि इसी युवक ने 4 जुलाई को महिला के अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिए। इन तस्वीरों और वीडियो के वायरल होने से महिला और उसके परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा को गहरा आघात पहुंचा है तथा मोहल्ले में उनकी बदनामी हो रही है।

पीड़िता का कहना है कि उसने कभी भी इस प्रकार के फोटो या वीडियो किसी को उपलब्ध नहीं कराए। उसे आशंका है कि आरोपी ने किसी समय उसके सोते हुए चोरी-छिपे वीडियो बना लिए होंगे और बाद में उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। घटना के बाद परिवार मानसिक तनाव में है और आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है।

पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर सुभाष निवासी अज्ञात स्थान के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री के स्रोत और आरोपी की गतिविधियों का पता लगाया जा रहा है। आवश्यक डिजिटल साक्ष्य भी एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गढ़मुक्तेश्वर: धान रोपाई के बहाने दो नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी देकर बनाया शिकार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। धान लगवाने वाले एक ठेकेदार पर दो नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगा है।

घटना का विवरण

बताया जा रहा है कि 26 जून को धान लगाने वाले एक ठेकेदार ने 13 वर्षीय दो नाबालिग बच्चियों को धान लगवाने के बहाने अपने साथ ले गया। आरोप है कि उसने दोनों बच्चियों के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने बच्चियों और उनके परिजनों को घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर भयभीत कर दिया था।

परिजन सदमे में, पुलिस पहुंची हरकत में

करीब 10 दिनों तक बच्चियों की स्थिति बिगड़ी रही और उन्हें लगातार रक्तस्राव की समस्या होती रही। जब बच्चियों ने आपबीती अपने परिजनों को बताई, तो पूरे परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने तुरंत गढ़ कोतवाली पहुंचकर घटना की तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। इस मामले में सीओ गढ़ राहुल यादव ने जानकारी दी है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है और जांच के बाद आरोपी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खतरनाक बताकर सील कीं इमारतें शपथ पत्र लेकर खोली जा रहीं

लखनऊ, एजेंसी। अलीगंज में 22 जून को हुए अग्निकांड के बाद एलडीए ने तेजी दिखाते हुए शहर में करीब 150 इमारतों को खतरनाक बताकर सील किया था। फायर सेफ्टी न होना और अवैध निर्माण को कार्रवाई की वजह बताया गया था। हालांकि, विरोध होने पर प्राधिकरण ने फायर सेफ्टी के उपाय किए जाने का शपथ पत्र लेकर इमारतों को खोलना शुरू कर दिया है। एक सप्ताह में करीब 50 बिल्डिंगों की सील खोली जा चुकी है।

अग्निकांड के दो दिन बाद एलडीए और अग्निशमन विभाग ने बड़े पैमाने पर सीलिंग की। इस पर होटल संचालकों और कोचिंग वालों के साथ बैठक की गई। इसमें फायर सुरक्षा के उपाय पूरे करने पर जोर दिया गया और ऐसा न करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

होटल संचालकों ने तो विरोध नहीं जताया, लेकिन कोचिंग वालों ने कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि कार्रवाई मनमाने तरीके से की जा रही है। जिस इमारत में आग लगी वह एनिमेशन सेंटर था और पेट शॉप सहित कई दुकानें चल रही थीं, जबकि कोचिंग में सिर्फ पढ़ाई होती है। यह आरोप भी लगाया था कि सुरक्षा मानकों के लिए विभागों से एनओसी मिलने में बहुत परेशानी होती है।

इस विरोध को देखते हुए एलडीए अधिकारियों ने कोचिंग संचालकों से कहा था कि उनके लिए

हेल्पडेस्क बनाई जाएगी, जहां वे अपनी समस्याएं बता सकते हैं। जो इमारतें गलत सील हुई होंगी, उन्हें जांच के बाद खोल दिया जाएगा। इसके बाद एलडीए में हेल्प डेस्क बनाई गई और शपथ पत्र लेकर अब तक करीब 50 इमारतों की सील खोली जा चुकी है।

कोचिंगों की आड़ में कई को दी राहत : अलीगंज में मानचित्र के विपरीत बिना फायर सेफ्टी वाले कई भवनों को एक सप्ताह पहले एलडीए ने सील किया था। इनमें केंद्रीय भवन के सामने मकान तोड़कर बनाए गए कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में चल रहा नॉनवेज रेस्टोरेंट, सेक्टर-के में पप्पू स्टोर वाली इमारत में चल रही कोचिंग प्रमुख है। यहां पार्किंग के नाम पर एक गाड़ी खड़ी करने की जगह नहीं है, पर एलडीए ने मेहरबानी दिखाते हुए सील हटा दी है। ऐसी कई और इमारतों की सील खोल दी गई है, जहां शपथ पत्र के बाद भी भवन निर्माण के मानक पूरे नहीं हुए हैं।

वादों की जारी रहेगी सुनवाई : एलडीए प्रशासन का कहना है कि जिन भवनों के खिलाफ उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की धाराओं के तहत वाद लंबित हैं, उनकी सुनवाई और कार्रवाई जारी रहेगी। विहित प्राधिकारी संबंधित वादों में नियमानुसार निर्णय लेने और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होंगे। शपथ पत्र देने से लंबित कानूनी प्रक्रिया पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उन इमारतों की ही सील खोली जा रही है, जिनके मालिकों ने सुरक्षा मानक तय समय में पूरा करने का शपथ पत्र दिया है। यदि वे इन्हें पूरा नहीं करेंगे तो फिर कार्रवाई की जाएगी।

- प्रथमेश कुमार, वीसी एलडीए

अलीगंज हादसे के बाद फायर एग्जिट स्टेयर्स की मांग बढ़ी, फैब्रिकेशन बाजार में उछाल

लखनऊ, एजेंसी। अलीगंज हादसे के बाद राजधानी के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फायर एग्जिट स्टेयर्स लगाने का चलन तेजी से बढ़ा है। इससे शहर के फैब्रिकेशन बाजार में अचानक वृद्धि हुई है। करीब 50 हजार से लेकर 2.5 लाख रुपये तक की कीमत वाली लोहे की ये सीढ़ियां भवन से बाहर निकलने का नया रास्ता दे रही हैं।

कोचिंग हादसे से सबक लेते हुए व्यावसायिक भवनों का संचालन करने वाले व्यापारियों ने भवन से बाहर जाने का अस्थायी उपाय निकाला है। लोहे और स्टील से बनने वाली ये सीढ़ियां भवन को बाहर से जोड़ती हैं, जिससे किसी भी आपदा में कर्मचारियों के बाहर निकलने की गुंजाइश बची रहे। इससे लोहे व स्टील के फैब्रिकेशन का काम करने वाले कारोबारियों से पूछताछ के लिए हर दिन 8-10 लोग पहुंच रहे हैं, जिनमें से कुछ ऑर्डर भी मिल रहे हैं।

मेटल फैब्रिकेशन के काम से जुड़े तालकटोरा के कारोबारी

अदनान सिद्दीकी बताते हैं कि पूछताछ के लिए लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन अभी उतने ऑर्डर नहीं मिल रहे। लोहे का काम 90-100 रुपये प्रति किलो के हिसाब से होता है।

कॉमर्शियल किचन व फैब्रिकेशन कारोबार से जुड़ी सिद्धि अग्रवाल बताती हैं कि सरकारी से लेकर निजी इमारतों तक में इस महीने स्टील के औसत 20 फायर स्टेयर्स लगाए गए हैं। इसके अलावा कॉमर्शियल किचन की सुरक्षा के लिए फायर सेपरेशन व गैस लीकेज डिटेक्टर की भी मांग बढ़ी है। शहर में जो होटल सील हो रहे हैं, उनमें फायर सेपरेशन नहीं मिला था, इसलिए भी इनकी मांग बढ़ी है।

हाजिरी रजिस्टर में 30 कर्मचारी और मौके पर 15, सुपरवाइजर निलंबित

आगरा, एजेंसी। आगरा। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की हाजिरी के नाम पर घोटाला किया जा रहा है। लॉयर्स कॉलोनी में पार्षद ने सफाईकर्मियों की कम तैनाती की शिकायत की, जिस पर अपर नगर आयुक्त जांच के लिए पहुंचे। रजिस्टर में 30 सफाईकर्मियों की हाजिरी लगी थी लेकिन पूरे क्षेत्र में घूमने पर केवल 15 ही मिले। इस पर सुपरवाइजर बाबूलाल को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले में अपर नगर आयुक्त जांच कर रहे हैं।

वार्ड 34 लॉयर्स कॉलोनी के पार्षद अमित दिवाकर ने शिकायत की थी कि उनके क्षेत्र में सफाई नायक फर्जी सफाई कर्मचारियों की हाजिरी लगाकर बड़ा खेल कर रहा है। वार्ड में करीब 30 सफाई कर्मचारियों की तैनाती है लेकिन इतने कर्मचारी कभी नजर नहीं आए। अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार ने औचक निरीक्षण किया तो सुपरवाइजर बाबूलाल ने झूठ बोला कि कर्मचारी वार्ड में काम कर रहे हैं। वह हाजिरी ले चुका है। इस पर अपर नगर आयुक्त ने हाजिरी रजिस्टर तलब करके वार्ड का दौरा किया तो केवल 15 कर्मचारी ही मिले। इस पर अपर नगर आयुक्त ने सफाई नायक बाबूलाल को निलंबित कर दिया है।

नगर निगम में 1135 सफाई कर्मचारियों को अतिरिक्त तैनात किया गया है लेकिन यह किसी भी वार्ड में नजर नहीं आ रहे हैं। पार्षद रवि बिहारी माथुर का आरोप है कि नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव वर्मा के पास जून में 4074 आउटसोर्सिंग के सफाईकर्मी हैं, जबकि पहले इनकी संख्या 2939 थी। 1135 कर्मचारियों को चुपके से नियुक्त कर लिया गया। ये किस वार्ड में लगाए गए हैं, इसकी सूची वह एक साल से मांग रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य अधिकारी सूची नहीं दे रहे हैं। नियुक्ति से लेकर वेतन तक में करोड़ों रुपये का घोटाला किया जा रहा है। उनका कहना है कि हर वार्ड में लॉयर्स कॉलोनी की तरह कागजों पर कर्मचारी ज्यादा हैं, जबकि असलियत में कम हैं।

डीएम बनेंगे प्रशासक या बढ़ेगा जिला पंचायत बोर्ड का कार्यकाल, शासन के फैसले पर सबकी नजर

बरेली, एजेंसी। बरेली में जिला पंचायत बोर्ड का पांच वर्षीय कार्यकाल 12 जुलाई को पूरा हो रहा है। इसके बाद जिला पंचायत का प्रशासन किसके हाथ में होगा, यह बड़ा सवाल है। शासन प्रशासक नियुक्त करेगा या मौजूदा बोर्ड का कार्यकाल बढ़ाएगा, इसे लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चाएं तेज हैं। 11 और 12 जुलाई को सरकारी अवकाश के कारण 10 जुलाई को ही शासन स्तर से निर्णय आने की संभावना है।

जिला पंचायत अध्यक्ष समेत सभी निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 12 जुलाई को समाप्त हो रहा है। प्रदेश में अभी जिला पंचायत चुनाव की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। ऐसे में नए बोर्ड के गठन तक व्यवस्था बनाए रखने के लिए शासन को अंतरिम व्यवस्था करनी होगी। चर्चा है कि यदि कार्यकाल नहीं बढ़ाया जाता है, तो जिला पंचायत का प्रशासन जिलाधिकारी को प्रशासक के रूप में सौंपा जा सकता है। हालांकि, बोर्ड का कार्यकाल बढ़ाने की संभावना पर भी चर्चा है, लेकिन कोई आधिकारिक संकेत नहीं मिला है।

शासन के फैसले पर टिकी हैं निगाहें

ग्राम पंचायतों के कार्यकाल समाप्त होने के बाद ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद जिला पंचायतों के मामले में भी शासन कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने की तैयारी में है। राजनीतिक दलों और जिला पंचायत सदस्यों की निगाहें अब शासन के फैसले पर टिकी हैं। यदि 10 जुलाई तक आदेश जारी होता है, तो 13 जुलाई से आगे की प्रशासनिक व्यवस्था स्पष्ट हो जाएगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विकास की निरंतरता जरूरी है। अगर सरकार जिला पंचायत अध्यक्षों को ही प्रशासक के तौर पर जिम्मेदारी सौंपती है, तो यह ग्रामीण विकास की गति को बिना रोके आगे बढ़ाने के लिए एक व्यावहारिक फैसला होगा।

कई शहरों और होटलों में घुमाया, गर्भपात भी कराया

आशिक दरोगा की दूसरी पत्नी ने दिखाए फोटो और वीडियो

बरेली, एजेंसी। बरेली में दरोगा की दूसरी पत्नी होने का दावा करने वाली महिला ने सबूतों के साथ दरोगा से अपने रिश्ते के राज खोल दिए। उसने बताया कि वह दरोगा के साथ पत्नी की तरह रहती और दूसरे शहरों के होटलों में घूमती थी। कहा कि दरोगा के परिजनों ने उससे मारपीट और अभद्रता न की होती तो वह ये राज न खोलती, क्योंकि इसके साथ उसकी भी बदनामी जुड़ी है।

एसएसपी के पास पहुंची महिला के साथ कई वकील थे, बताया जा रहा है कि महिला मुंशी के तौर पर एक वकील के साथ काम करती है। महिला का आरोप है कि बारादरी थाने में मुलाकात व मेलजोल बढ़ाने के बाद दारोगा उसके घर आने-जाने लगा। वर्ष 2025 में करवाचौथ पर वह अपनी पत्नी के पास नहीं गया, बल्कि उसी से बतौर पत्नी पूजन कराया।

महिला ने उस वक्त के फोटो भी मीडिया व अधिकारियों को दिखाए। बताया कि फरवरी 2026 में बेटे की शादी का बहाना बनाकर दरोगा उससे करीब आठ लाख रुपये के सोने के जेवर ले गया। शादी में उसने केवल तीन दिन की छुट्टी ली और फिर सीधे उसके पास बरेली आ गया।

पत्नी-बेटे संग घर जाकर की पिटाई : महिला ने बताया कि जब उसने जेवर मांगे तो उसे धमकाया

गया। उसके गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर 12 मई को दरोगा उसे प्रेमनगर के एक नामी अस्पताल में ले गया। वहां से लेकर गर्भपात की दवा खिला दी, तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महिला के मुताबिक एक दिन दरोगा अपने बेटे और पत्नी के साथ उसके घर पहुंचा, वहां इन लोगों ने गाली-गलौज और मारपीट की। डायल 112 पर सूचना देने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। पीड़िता ने आरोप लगाया कि दरोगा पुलिस अधिकारियों से अपने करीबी रिश्ते का डर दिखाकर उसे धमकाता रहा।

पहले बीमारी की छुट्टी अब एक्सीडेंट की : बारादरी थाने से करीब डेढ़ महीने पहले दरोगा का तबादला सिरौली हुआ था। विभाग में चर्चा है कि दरोगा एक दो साल में रिटायर होने वाला है और महिला लगातार सरकारी रिकार्ड में खुद को पत्नी के तौर पर दर्ज कराने की जिद कर रही थी। ऐसे में पीछा छुड़ाने को उसने खुद ही दूर के थाने में तबादला कराया।

थाने में जाने के बाद उसने मेडिकल लीव ली। वहां 15 जून को आना था। समय पर नहीं आया तो थाना प्रभारी ने उसकी रपट दर्ज कर अधिकारियों को सूचना दी। हालांकि बाद में प्रमाणपत्र लगाकर वह जुलाई के शुरू में फिर काम पर लौट आया। पांच जुलाई की रात ड्यूटी करके बाइक से लौटते वक्त एक्सीडेंट में दरोगा का कंधा फ्रेक्चर हो गया। तब से वह निजी अस्पताल में भर्ती था, जहां ये विवाद हुआ।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि 4/5 जुलाई 2026 की रात आरोपी के सड़क हादसे के बाद महिला ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, इलाज का खर्च उठाया, लेकिन अगले दिन अस्पताल पहुंचे उसके परिवार वालों ने महिला से अभद्रता की और आरोपी को अपने साथ ले गए।

नगर निगम की प्रस्तावित परियोजनाओं का सर्वे करेगी एजेंसी

अलीगढ़, एजेंसी। नगर निगम ने अपनी प्रस्तावित परियोजनाओं के सर्वेक्षण के लिए एक एजेंसी का चयन करने का निर्णय लिया है। यह चयन दो साल के अनुबंध के आधार पर किया जाएगा। इसका उद्देश्य परियोजनाओं के क्रियान्वयन से पहले उनकी आवश्यकताओं का विस्तृत आकलन करना है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि शहर की विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए नगर निगम ने प्रस्तावित स्थलों के सर्वेक्षण के लिए दो साल के अनुबंध पर एजेंसी चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एजेंसी का मुख्य कार्य प्रस्तावित स्थलों का सर्वेक्षण करना और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करना होगा।

चयनित एजेंसी को नगर निगम की विभिन्न प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए सर्वेक्षण कार्य सौंपा जाएगा। इसमें सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाओं का विकास और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल होंगी। इस प्रक्रिया से परियोजनाओं के लिए सटीक डेटा उपलब्ध होगा। सर्वेक्षण से नगर निगम को परियोजनाओं के लिए बेहतर योजना बनाने में सहायता मिलेगी।

नाला सफाई पर नहीं दिया ध्यान, अब कमियां ढूंढ रहे हुक्मरान

कानपुर, एजेंसी। बीते वर्षों की तरह इस साल भी बारिश में शहरियों को जलभराव से दो-चार होना पड़ रहा है। इसका कारण है ढंग से विभिन्न नालों की सफाई न होना। नाले चोक होने से ही विभिन्न इलाकों में मानसून की दो बार की बारिश में जलभराव हो गया था। अगर नगर निगम नाला-नाली की सफाई के काम के दौरान ही कड़ाई करता तो ऐसी स्थिति नहीं आती। शहर के तलैया बनने के बाद अब महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय निरीक्षण कर जलभराव की कमियां तलाशने में जुटे हैं।

महापौर ने मंगलवार को गड़रियनपुरवा, फजलगंज, जेके मंदिर और सर्वोदयनगर क्षेत्र में नाला सफाई के काम का निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि कई स्थानों पर दुकानदारों और भवन स्वामियों ने नालियों पर रैंप और पक्के निर्माण कर जलनिकासी का रास्ता बाधित कर रखा है। जेके मंदिर क्षेत्र में उन्होंने जेसीबी मंगवाकर अतिक्रमण हटवाया। कुछ लोगों ने विरोध का प्रयास किया लेकिन पुलिस बल देखकर वह शांत हो गए। महापौर ने अधिकारियों को कहा कि नाला सफाई में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

नगर आयुक्त ने परमट संपवेल, परमट मंदिर और शेल्टर होम के पास जलभराव वाले स्थलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि परमट में नाला टैपिंग का काम तीन स्थानों पर किया गया है। यहां लगी जाली पर तैरता कचरा जमा होने से जलभराव होता है।

बिहार का चंदन साइबर ठगों को मुहैया कराता था बैंक खाता

बरेली, एजेंसी। बरेली में एक महिला ने खुद को सैन्य अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त सैनिक से ऑनलाइन दोस्ती की और जमीन के कारोबार के बहाने नौ लाख आठ हजार रुपये ठग लिए। इस मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने बिहार निवासी चंदन दास को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

यह मामला दिसंबर 2025 का है। फरीदपुर के ताज कॉलोनी निवासी सेवानिवृत्त सैनिक रामप्रताप ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि एक महिला ने व्हाट्सएप पर उनसे दोस्ती की और चैटिंग शुरू कर दी। महिला ने खुद को भारतीय सैन्य अधिकारी बताया और अपनी तैनाती विदेश में बताई थी। उसने भारत आकर जमीनों की खरीद-फरोख्त का कारोबार करने का झांसा दिया। इसके बाद महिला ने रामप्रताप से नौ लाख आठ हजार रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करा लिए।

साइबर क्राइम थाना पुलिस ठगों की तलाश कर रही थी। पुलिस की जांच में बिहार के बेगूसराय लाखन पट्टी

निवासी मनीष दास और दरभंगा बहेरी बालगांव निवासी चंदन कुमार दास को चिह्नित किया गया। साइबर थाना इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि मनीष दास गिरफ्तारी के डर से कोर्ट में हाजिर हो गया था। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने सोमवार को हरियाणा गुरुग्राम के पालम विहार में छिपे चंदन दास को गिरफ्तार कर लिया।

नौ महीने से रह रहा था गुरुग्राम में

पुलिस के अनुसार, बिहार के दरभंगा का मूल निवासी चंदन कुमार दास आठवीं तक पढ़ा है। वह परिवार के साथ विभिन्न राज्यों में मजदूरी करता है। चंदन ने बताया कि वह नौ महीने से गुरुग्राम में रह रहा था। एक कंपनी में डिलीवरी का काम करते समय उसकी मुलाकात राज नाम के युवक से हुई। राज के कहने पर उसने एक व्यक्ति का खाता खुलवाकर दिया, जिसमें राज का नंबर लिंक कराया गया।

इसके बदले राज ने उसे पांच हजार रुपये दिए। इसके बाद चंदन ने अलग-अलग राज्यों में काम करने वाले चौदह लोगों के खाते खुलवाकर राज को उपलब्ध कराए। चंदन ने अपना खाता भी खुलवाकर दिया था। कुछ दिन बाद साइबर ठगी की शिकायतें मिलने पर सभी खाते फ्रीज हो गए। इसके बाद से चंदन छिपकर रहने लगा था।

जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई

चंदन ने बताया कि पवन कुमार दास के दो बैंक खाते, प्रदीप, राजू, आदित्य धनोलिया, दीपक, मनीष दास और कृष्णदास के एक-एक बैंक खाते अलग-अलग बैंकों में खुलवाए गए थे। सेवानिवृत्त सैनिक रामप्रताप को झांसे में लेकर पवनदास, मनीषदास, कृष्णदास और चंदन दास आदि के खातों में रकम डलवाई गई थी। ये खाते गुरुग्राम और पटियाला की बैंकों में खोले गए थे।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि सेवानिवृत्त सैनिक से ऑनलाइन ठगी के मामले में साइबर थाना पुलिस ने कार्रवाई की है। बिहार निवासी आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। पुलिस ने बैंकों से समन्वय कर 3.54 लाख रुपये वापस करा दिए हैं, जबकि बाकी रकम की रिकवरी के प्रयास जारी हैं।

औद्योगिक विकास को गति देने पर जोर, उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन तथा औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विस्तार से चर्चा की गई। उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्रों में आ रही विभिन्न समस्याओं से जिलाधिकारी मेघा रूपम को अवगत कराया, जिस पर उन्होंने संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अनियोजित विद्युत कटौती, जल कनेक्शन एवं नियमित जलापूर्ति, जल बिलों के न्यायोचित निस्तारण, जलभराव, जल निकासी व्यवस्था, क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण तथा जीएसटी और सीजीएसटी से संबंधित नोटिसों के कारण आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। साथ ही उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ नियमित समन्वय बैठकें आयोजित करने की आवश्यकता भी बताई। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कहा कि जनपद में उद्योगों के लिए

बेहतर और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बैठक में उठाए गए सभी बिंदुओं पर संबंधित विभागों के माध्यम से प्रभावी एवं समयबद्ध

कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण कर समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर चिन्हांकन किया जाए और उनके स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि निवेशकों और उद्यमियों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण होने से औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी, नए निवेश आकर्षित होंगे तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अधिक अवसर सृजित होंगे। बैठक में उद्योगों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए विभागीय समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी सहमति व्यक्त की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अरुण कुमार, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण नेहा सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी, इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी एचएसआरपी वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन ठगी करने वाले सात साइबर अपराधी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। नूरपुर पुलिस ने परिवहन विभाग की हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर लोगों से ऑनलाइन ठगी करने वाले एक संगठित साइबर गिरोह का पदार्फाश करते हुए सात शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 11 स्मार्टफोन, एक लैपटॉप और 12,300 रुपये नकद बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सरकारी पोर्टल जैसी दिखने वाली फर्जी वेबसाइट तैयार कर वाहन स्वामियों को झांसे में लेकर पंजीकरण के नाम पर भुगतान कराते थे और रकम अपने खातों में स्थानांतरित कर लेते थे। पुलिस पूछताछ में तुषार शर्मा और अरशद गिरोह के मुख्य संचालक निकले। दोनों ने डोमेन और होस्टिंग खरीदकर बुककेएचएसआरपीप्लेट डॉट कॉम तथा बुकमाईएचएसआरपी डॉट कॉम नाम से फर्जी वेबसाइटें तैयार की थीं। इन वेबसाइटों को असली सरकारी पोर्टल जैसा स्वरूप देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ऑनलाइन उपकरणों और चैटजीपीटी का उपयोग किया गया। वेबसाइटों पर आने वाले लोग इन्हें सरकारी मंच समझकर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की बुकिंग के लिए ऑनलाइन भुगतान कर देते थे। जांच में यह भी सामने आया कि ठगी से प्राप्त धनराशि मोहित कुमार, अनस, प्रशांत कुमार और मोहम्मद फैजान के बैंक खातों में भेजी जाती थी। इसके बाद सभी आरोपी आपस में रकम का बंटवारा कर लेते थे। जिन लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया जाता था, उन्हें मोटा कमीशन दिया जाता था। पुलिस अब इन बैंक खातों के लेनदेन और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में अनस निवासी रामनगर, नूरपुर; तुषार शर्मा निवासी फैजपुर, नूरपुर; प्रशांत कुमार निवासी पैतिया, स्योहारा; मोहम्मद फैजान निवासी फैजपुर, नूरपुर; मोहित कुमार निवासी अकबरपुर चौधरी, कांठ (मुरादाबाद); अरशद तथा रेहान निवासी इस्लामनगर, नूरपुर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के 11 स्मार्टफोन, एक लैपटॉप (चार्जर सहित) तथा 12,300 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी की कुल धनराशि का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

तेज रफ्तार कार ने तीन प्रवासी मजदूरों को रौंदा, मौके पर दर्दनाक मौत

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के खुर्जा मार्ग स्थित नीमका गांव के समीप बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में धान की रोपाई का कार्य कर लौट रहे तीन प्रवासी मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने पैदल जा रहे मजदूरों को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि तीनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची, शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार बिहार के अररिया जिले से आए कई मजदूर हर वर्ष की तरह इस बार भी नीमका गांव में धान की रोपाई के लिए पहुंचे थे। बुधवार रात करीब नौ बजे बारिश शुरू होने के कारण मजदूर खेतों से पैदल गांव लौट रहे थे। इसी दौरान खुर्जा की ओर से तेज गति से आ रही एक कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि करन (22), विश्वजीत (24) और मिथुन (25) निवासी अररिया (बिहार) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच के आधार पर दुर्घटना में शामिल कार और उसके चालक की पहचान कर ली गई। पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया है, जबकि आरोपी चालक की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मृतकों के परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसएसआई संसार सिंह ने बताया कि दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान कर उसे कब्जे में ले लिया गया है। फरार चालक की तलाश जारी है और उसे शीघ्र गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस हृदयविदारक हादसे से गांव में शोक का माहौल है तथा मृतकों के साथ काम करने वाले अन्य मजदूर भी घटना से स्तब्ध हैं।

तेज बारिश के बीच जलभराव से निपटने को प्राधिकरण की टीमें रहीं मुस्तैद, उद्योग क्षेत्रों की समस्याओं का भी लिया जायजा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। बुधवार रात और बृहस्पतिवार सुबह हुई तेज बारिश के बाद जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीमें पूरे दिन मैदान में सक्रिय रहीं। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर अधिकारियों और कर्मचारियों को जलभराव वाले क्षेत्रों में तैनात किया गया। जहां-जहां पानी भरने की सूचना मिली, वहां तत्काल पंप लगाकर जल निकासी कराई गई तथा नालियों और जल निकासी तंत्र की सफाई कर यातायात को सामान्य बनाए रखने के प्रयास किए गए। इसी दौरान औद्योगिक क्षेत्रों का निरीक्षण कर वहां की आधारभूत समस्याओं की भी समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलभराव की शिकायत मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान कराया जाए। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। इसके बाद सभी कार्य वृत्तों के प्रभारी, प्रबंधक, सहायक प्रबंधक और पर्यवेक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी करते रहे तथा प्रत्येक गतिविधि की जानकारी नियंत्रण समूह को उपलब्ध कराते रहे। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने ईकोटेक-दो एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया, जबकि अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने ईकोटेक-तीन और 130 मीटर मार्ग का जायजा लिया। महाप्रबंधक ए.के. सिंह तथा उप महाप्रबंधक विजय कुमार रावल ने भी विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर जल निकासी कार्यों का जायजा लिया। विजय कुमार रावल ने बेनेट

विश्वविद्यालय, सिरसा गोलचक्कर, ट्रकर्स प्वाइंट सहित आसपास के क्षेत्रों में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। प्रमुख गोलचक्करों पर जलभराव रोकने के लिए विशेष टीमें तैनात रहीं। कार्य वृत्त और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्रामवार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नालों की सफाई भी कराई गई। निरीक्षण के दौरान इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (आईबीए) गौतमबुद्ध नगर के अध्यक्ष अमित उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण शर्मा तथा कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल भी अधिकारियों के साथ मौजूद रहे। आईबीए पदाधिकारियों ने औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव वाले प्रमुख स्थानों को मौके पर चिह्नित कराया और अधिकारियों को वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हुए प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र एवं स्थायी समाधान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उद्योगों के सुचारु संचालन के लिए बेहतर जल निकासी व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने की मांग भी रखी। इसके अलावा वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम, नागेंद्र सिंह, नरोत्तम सिंह, प्रभात शंकर सहित सभी कार्य वृत्तों के अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार फील्ड में डटे रहे और जलभराव की समस्या के त्वरित समाधान में जुटे रहे।

मूसलाधार बारिश से गर्मी से मिली राहत, जलभराव और पेड़ गिरने से जनजीवन अस्त व्यस्त

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। क्षेत्र में बुधवार देर शाम शुरू हुई मौसम की पहली मूसलाधार बारिश ने जहां कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत पहुंचाई, वहीं तेज हवाओं और लगातार वर्षा ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। भारी बारिश के कारण सरकारी और अर्द्धसरकारी कार्यालयों, मुख्य मार्गों तथा कई मोहल्लों में जलभराव हो गया, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर जलनिकासी व्यवस्था की पोल खुल गई और कार्यालय परिसरों में भी पानी भर जाने से कामकाज प्रभावित रहा। बारिश के साथ चली तेज हवाओं के चलते क्षेत्र में कई पेड़ धराशायी हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की कॉलोनी में

खड़ा एक विशाल जामुन का पेड़ जड़ से उखड़कर एक खाली मकान पर गिर पड़ा। यह घटना रात लगभग 12 बजे उस समय हुई, जब अस्पताल का एक फार्मासिस्ट सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के उपचार के लिए आपातकालीन ड्यूटी पर जा रहा था। संयोगवश वह बाल-बाल बच गया और एक बड़ा हादसा टल गया। उधर, राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर रामलीला मैदान के निकट भी एक विशाल पेड़ मुख्य मार्ग पर गिर गया, जिससे नगीना-धामपुर मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को करीब दो घंटे तक जाम की समस्या से जूझना पड़ा। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पेड़ को काटकर हटाया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। लगातार हुई वर्षा से शहर के कई निचले इलाकों, गलियों और बाजारों में भी पानी भर गया। लोगों को घरों और प्रतिष्ठानों से निकलने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक क्षेत्र में वर्षा का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने तथा जलभराव और तेज हवाओं के बीच अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

यूपीएसआईडीसी की फैक्ट्री में भीषण आग, एक मजदूर की मौत, दूसरा गंभीर रूप से झुलसा

हापुड़ (शिखर समाचार)। धौलाना क्षेत्र के यूपीएसआईडीसी फेज-3 स्थित एक फैक्ट्री में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। दमकल विभाग ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार यूपीएसआईडीसी स्थित मैसर्स सुख स्टील्स फैक्ट्री के एक शेड में ईपीई पैकेजिंग और मोबाइल फोन से संबंधित सामग्री का कार्य किया जा रहा था। बुधवार सुबह करीब चार बजे अचानक आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता को देखते हुए गाजियाबाद से दो अतिरिक्त वाटर बाउजर भी बुलाए गए। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और उसे अन्य शेडों तक फैलने से रोक लिया गया। तलाशी अभियान के दौरान बागपत निवासी 50 वर्षीय गुलफाम का शव बरामद हुआ, जबकि धौलाना निवासी 30 वर्षीय शावेज गंभीर रूप से झुलस गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर मोहित बेनीवाल का उद्यमियों व व्यापारियों ने किया अभिनंदन

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल के पुनः भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर गुरुवार को कैराना रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में जनपद के उद्यमियों और व्यापारियों ने उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। समारोह में बड़ी संख्या में उद्योग जगत और व्यापारिक संगठनों से जुड़े लोगों ने भाग लेते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं तथा प्रदेश में उद्योग और व्यापार के विकास को लेकर विचार साझा किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ उद्योगपति अशोक बंसल ने की। इस अवसर पर मोहित बेनीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में उद्योग, व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुदृढ़ कानून व्यवस्था, बेहतर

आधारभूत संरचना, तीव्रगामी मार्गों का विस्तार, औद्योगिक गलियारों का विकास, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा निवेशक हितैषी नीतियों के कारण प्रदेश देश के प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में तेजी से उभरा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कारोबार सुगमता, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन, नवाचार आधारित उद्यम, स्वरोजगार योजनाओं तथा नए औद्योगिक निवेश के माध्यम से उद्योग और व्यापार को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। इन प्रयासों से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं और आर्थिक गतिविधियों को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश, विशेषकर शामली जनपद में उद्योग और व्यापार की अपार संभावनाएं हैं तथा सरकार इनके समुचित विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मोहित बेनीवाल ने उद्यमियों और व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं और सुझावों को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा तथा उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम का संयोजन राहुल जैन और अंकित गोयल ने किया, जबकि संचालन अनुराग शर्मा ने किया। समारोह में भाजपा नेता मनीष चौहान, विजय गर्ग, वरुण मलिक, कंवरबीर कंबोज, सुधीर जैन, मोहित जैन, आशीष जैन, राहुल जैन, अमित जैन, अशोक मित्तल, अशोक गोयल, राजन बत्रा, प्रवीण गोयल, कपिल पंवार सहित अनेक उद्यमी और व्यापारी उपस्थित रहे।

पुलिस और गोतस्करों के बीच मुठभेड़, जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश घायल

बिजनौर (शिखर समाचार)। कोतवाली देहात पुलिस ने गुरुवार को मुठभेड़ के दौरान दो शातिर गोतस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिससे वे घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक सैंट्रो कार, एक जीवित बछड़ा, दो अवैध तमंचे, कारतूस तथा गोकशी में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश सोलंकी ने बताया कि कुछ समय पूर्व कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम

फरीदपुर निजाम के जंगल में गोवंश के अवशेष मिलने की घटना सामने आई थी। इसके बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार अभियान चला रही थी। गुरुवार को नगीना मार्ग और कोतवाली देहात क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ गोतस्कर एक कार में गोवंश लेकर गुजरने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने बरूकी नहर के निकट घेराबंदी कर संदिग्ध सैंट्रो कार को रुकने का संकेत दिया। पुलिस के अनुसार, कार सवार आरोपियों ने वाहन रोकने के बजाय पुलिस दल पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे घायल होकर गिर पड़े। पुलिस ने तत्काल उन्हें हिरासत में लेकर उपचार के लिए चिकित्सालय भेजा। मौके से एक जीवित बछड़ा सुरक्षित बरामद कर लिया गया, जबकि कार से अवैध हथियार, कारतूस और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले औजार भी बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अब्दुल सलाम उर्फ काले निवासी ग्राम उमरी, थाना कोतवाली देहात तथा मोहम्मद मुरसलीन उर्फ मुन्ना निवासी काजीवाला, थाना शहर कोतवाली, बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि उनका संबंध किसी बड़े गोतस्करी गिरोह से तो नहीं है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

मादलपुर में सपा की पीडीए चौपाल आयोजित, सामाजिक न्याय और संगठन की मजबूती पर दिया गया जोर

शामली (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी की ओर से थानाभवन क्षेत्र के ग्राम मादलपुर में पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा ग्रामीणों ने भाग लिया। चौपाल में सामाजिक न्याय, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकार, संगठन की मजबूती तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद इकरा हसन ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए समाज के सम्मान, अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना और सभी वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने

तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ताना ने कहा कि पीडीए समाज की एकजुटता ही समाजवादी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष और तेज किया जाएगा तथा किसानों, युवाओं, महिलाओं और आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

चौपाल का आयोजन समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष अर्चना चौधरी तथा वरिष्ठ सपा नेता सच्चू प्रधान के नेतृत्व में किया गया। दोनों नेताओं ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों को जनता का लगातार समर्थन मिल रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता बतीसा खाप के मंत्री देवेंद्र चौधरी ने की, जबकि संचालन मंगलशौन प्रजापति ने किया। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसानों की आय, महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के भविष्य तथा क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में ठाकुर शेर सिंह राणा, राहुल सैनी, कलीम हसन, अश्वनी गुर्जर, शमशेर जंग, बसंत धारियां, विनीत मुखिया, मोहर सिंह, पिंटू चौधरी, टीपू सिंह, कृष्ण प्रधान, मांगेराम प्रधान, सारिका मलिक, अभिषेक शर्मा, विनोद नेताजी, देवराज चौधरी, सचिन चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

सर्वोदय नगर में जलभराव से हुई 3 साल की बच्ची की मौत, परिजनों ने नेशनल हाईवे किया जाम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना विजयनगर क्षेत्र स्थित सर्वोदय नगर में जलभराव की समस्या एक मासूम बच्ची के लिए जानलेवा साबित हो गई। क्षेत्र में हुई बारिश के बाद सड़कों और गलियों में भरे पानी के बीच एक दर्दनाक हादसे में 3 वर्षीय बच्ची मानवी की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम और संबंधित विभागों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए और नेशनल हाईवे - 9 पर जाम लगा दिया। परिजनों के हाईवे पर जाम लगाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उनकी मांग पूरी करने का आसान देते हुए जाम को खुलवाया। इसी कड़ी में सर्वोदय नगर में पिछले कई दिनों से जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश का पानी जमा हो रहा था। क्षेत्र की कई गलियां और सड़कें पानी से लबालब भरी हुई थीं। इसी दौरान एक 3 वर्षीय बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी। खेलते समय वह जलभराव वाले क्षेत्र में पहुंच गई और अचानक गहरे

पानी में गिर गई। आसपास मौजूद लोगों को जब तक घटना की जानकारी हुई, तब तक काफी देर हो चुकी थी।स्थानीय निवासियों ने बच्ची को तत्काल पानी से बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सर्वोदय नगर में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। यदि समय रहते जल निकासी की समुचित व्यवस्था कर दी जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए जलभराव की समस्या को गंभीरता से लेने की मांग की। बरसात के मौसम में कई स्थानों पर पानी भर जाता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति बेहद जोखिमपूर्ण है। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली उपासना पाण्डेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी घटना पर दुख व्यक्त करते हुए क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा करने और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। परिवार की संभव मदद की जाएगी और उनके लिए जो संभव मदद है, वह की जाएगी।

मूसलाधार बारिश का कहर, डीएम ने कक्षा 12 तक के सभी स्कूलों में किया अवकाश घोषित

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी कविता मीना ने जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 12 तक अवकाश घोषित करने के आदेश जारी किए हैं।

बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

पिछले दो दिनों से जारी भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। सड़कों पर पानी जमा होने से यातायात बाधित है और कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। जिला प्रशासन ने जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और पानी की निकासी के लिए उचित इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

अगले 24 घंटे अलर्ट पर

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में और अधिक तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। इसे देखते हुए डीएम ने शिक्षा विभाग को अवकाश के आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही, अभिभावकों से भी अपील की गई है कि वे खराब मौसम के दौरान बच्चों को घर से बाहर न भेजें और सावधानी बरतें।

संपादकीय

ईरान अमेरिका टकराव : पश्चिम एशिया की आग और दुनिया के सामने नई चुनौती

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां किसी भी छोटी सैन्य कार्रवाई का असर पूरी दुनिया की राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ सकता है। 9 जुलाई 2026 तक सामने आए घटनाक्रम बताते हैं कि ईरान और अमेरिका के बीच टकराव अब केवल बयानबाजी या सीमित सैन्य जवाबी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा है। ईरानी सेना ने दावा किया है कि उसने ड्रोन के माध्यम से कुवैत, कतर और बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान के अनुसार कुवैत में अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल प्रणाली, कतर में उपग्रह आधारित चेतावनी तंत्र तथा बहरीन में अमेरिकी ईंधन भंडारण सुविधाओं पर बड़ी संख्या में ड्रोन भेजे गए। ईरान ने यह भी स्वीकार किया है कि अमेरिकी हवाई हमलों में उसके तीन लोगों की मृत्यु हुई है और इन्हीं हमलों के जवाब में उसने यह कार्रवाई की। दूसरी ओर अमेरिका का दावा है कि उसने लगातार दूसरी रात ईरान के लगभग 90 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि दो दिनों में कुल 170 ठिकानों पर हमले किए गए। इस पूरे घटनाक्रम ने स्पष्ट कर दिया है कि संघर्ष अब प्रत्यक्ष सैन्य टकराव के अधिक खतरनाक चरण में प्रवेश कर चुका है।

सबसे गंभीर चिंता इस बात की है कि यह संघर्ष अब केवल दो देशों के बीच सीमित नहीं दिखाई देता। कुवैत, कतर और बहरीन जैसे खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों की मौजूदगी ने पूरे क्षेत्र को इस टकराव का हिस्सा बना दिया है। इन देशों ने अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किए हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि उन्हें भी स्थिति के और बिगड़ने की आशंका है। यदि इन देशों की धरती पर हमले और जवाबी कार्रवाई का सिलसिला बढ़ता है तो पश्चिम एशिया का पूरा सुरक्षा ढांचा प्रभावित होगा। इससे समुद्री मार्ग, ऊर्जा आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक निवेश पर भी गहरा असर पड़ सकता है।

आज दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे समय में यदि पश्चिम एशिया में व्यापक युद्ध की स्थिति बनती है तो सबसे पहले कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित होगी। खाड़ी क्षेत्र विश्व की ऊर्जा आवश्यकताओं का प्रमुख स्रोत है। युद्ध की आशंका मात्र से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तेजी देखी जाती है। यदि सैन्य संघर्ष लंबा चला तो महंगाई, परिवहन लागत और उत्पादन खर्च बढ़ना तय है। इसका प्रभाव विकसित देशों के साथ-साथ भारत जैसे विकासशील देशों पर भी पड़ेगा, जहां ऊर्जा आयात अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है।

इस संकट का एक दूसरा पहलू आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति भी है। ड्रोन, मिसाइल, साइबर तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सैन्य प्रणाली अब युद्ध की नई पहचान बन चुकी हैं। ईरान द्वारा ड्रोन हमलों का दावा और अमेरिका की सटीक हवाई कार्रवाई यह दर्शाती है कि भविष्य के युद्ध पारंपरिक सेनाओं के बजाय तकनीकी क्षमता पर अधिक निर्भर होंगे। इससे छोटे और मध्यम देशों के लिए भी नई सुरक्षा चुनौतियां पैदा हो रही हैं। रक्षा नीति, सीमा सुरक्षा और तकनीकी आत्मनिर्भरता अब केवल बड़े देशों का विषय नहीं रह गया है।

भारत के लिए भी यह घटनाक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत के लाखों नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और वहां से आने वाला विदेशी मुद्रा प्रवाह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यदि क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती है तो भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, रोजगार और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है। इसलिए भारत की विदेश नीति का संतुलित और व्यावहारिक स्वरूप पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। भारत ने हमेशा संवाद, संयम और कूटनीतिक समाधान का समर्थन किया है और वर्तमान परिस्थितियों में यही सबसे उचित मार्ग भी प्रतीत होता है।

~ मौलिक चिंतन ~

जो खुद किसी का भला नहीं करते, उन्हीं को सबसे ज्यादा लगता है कि भलाई का जमाना ही नहीं रहा।

© विनय संकोची

मुफ्त दवा योजना पर संकट नहीं समाधान की जरूरत

कांतिलाल मांडोत

जीवनरक्षक दवाओं की कमी गरीब मरीजों के लिए गंभीर चुनौती लेकिन समय रहते व्यवस्था सुधारकर सरकार भरोसा फिर मजबूत कर सकती है...

राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल केवल एक चिकित्सा संस्थान नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लाखों मरीजों की उम्मीद का सबसे बड़ा केंद्र है। हर दिन हजारों मरीज दूर-दराज के गांवों और कस्बों से यहां इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि उन्हें बेहतर इलाज के साथ सरकार की निशुल्क दवा योजना का लाभ मिलेगा। लेकिन जब इलाज के बाद डॉक्टर की लिखी दवाएं अस्पताल के काउंटर पर उपलब्ध नहीं होतीं तो मरीज और उसके परिजनों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। हाल के दिनों में जीवनरक्षक दवाओं सहित बड़ी संख्या में दवाओं की अनुपलब्धता की खबरें सामने आई हैं। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है और इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

गरीब और मध्यम वर्ग का बड़ा हिस्सा सरकारी अस्पतालों पर निर्भर रहता है। निजी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदना हर परिवार के लिए आसान नहीं होता। विशेष रूप से कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों के लिए नियमित दवाएं जीवन का आधार होती हैं। यदि ऐसी दवाएं समय पर नहीं मिलें तो बीमारी बढ़ सकती है और आर्थिक बोझ भी कई गुना बढ़ जाता है। यही कारण है कि निशुल्क दवा योजना को राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में गिना जाता है। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जिन मरीजों को एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक भेजा गया, कई दिनों बाद आने के लिए कहा गया या फिर बाहर से दवा खरीदने की सलाह दी गई, उनकी परेशानी को सहज रूप से समझा जा सकता है। जो मरीज सैकड़ों किलोमीटर दूर से किराया खर्च करके अस्पताल पहुंचता है, उसके लिए केवल दवा ही नहीं बल्कि दोबारा आने-जाने का खर्च भी बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे मरीजों के सामने यह प्रश्न खड़ा हो जाता है कि वह इलाज कराए या परिवार का खर्च चलाए।

यह भी सच है कि यह समस्या केवल जयपुर तक सीमित नहीं दिखाई देती। प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों में समय-समय पर कुछ दवाओं की कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं। कहीं सप्लाई में देरी होती है तो कहीं खरीद प्रक्रिया पूरी होने तक मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। इससे सरकार की अच्छी योजनाओं की छवि प्रभावित होती है। जनता यह नहीं देखती कि कमी किस स्तर पर हुई है। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह होती है कि अस्पताल पहुंचने पर दवा मिलनी चाहिए।

हालांकि इस पूरे विषय को केवल आलोचना के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। राजस्थान सरकार ने पिछले कई वर्षों में चिकित्सा सुविधाओं का उल्लेखनीय विस्तार किया है। नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, जिला अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना और निशुल्क जांच योजना जैसी पहल ने लाखों गरीब परिवारों को राहत दी है। यदि ये योजनाएं नहीं होतीं तो गरीब मरीजों का इलाज और भी कठिन हो जाता। इसलिए यह कहना उचित होगा कि योजना में कमी नहीं है बल्कि उसके क्रियान्वयन के कुछ हिस्सों में सुधार की आवश्यकता है।

अस्पताल प्रशासन का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि कुछ दवाएं राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड से उपलब्ध नहीं हो पातीं तो स्थानीय स्तर पर खरीद की जाती है। कई बार आपूर्ति करने वाली कंपनियों की ओर से विलंब होने के कारण अस्थायी समस्या उत्पन्न हो जाती है। यदि वास्तव में ऐसा है तो इसका समाधान भी प्रशासनिक स्तर पर संभव है। दवाओं की उपलब्धता का नियमित आकलन, समय रहते नई खरीद प्रक्रिया और वैकल्पिक व्यवस्था से इस प्रकार की कठिनाइयों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य व्यवस्था जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही अधिक होती हैं। राजस्थान जैसे विशाल राज्य में करोड़ों लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। दवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है और कई बार अनुमान से अधिक मरीज आने के कारण स्टॉक जल्दी समाप्त हो जाता है। इसलिए इस समस्या को केवल लापरवाही कह देना भी पूरी तस्वीर नहीं दर्शाता। आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य विभाग, अस्पताल प्रशासन और दवा आपूर्ति एजेंसियां मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिससे आवश्यक दवाओं का भंडार हमेशा सुरक्षित रहे। तकनीक का बेहतर उपयोग भी इस दिशा में बड़ा समाधान बन सकता है। यदि सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं का ऑनलाइन स्टॉक रियल टाइम अपडेट हो तो यह पहले ही पता चल जाएगा कि कौन सी दवा कितनी मात्रा में बची है और कब नई खेप की आवश्यकता होगी। इससे आपूर्ति में होने वाली देरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। मरीजों को भी मोबाइल या हेल्पलाइन के माध्यम से यह जानकारी मिल सके कि संबंधित दवा किस अस्पताल में उपलब्ध है। इससे उन्हें अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

साथ ही अस्पतालों में मरीजों के साथ संवाद की व्यवस्था भी बेहतर होनी चाहिए। यदि किसी दवा की अस्थायी कमी है तो मरीज को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि दवा कब तक उपलब्ध होगी या उसका सुरक्षित विकल्प क्या है। कई बार जानकारी के अभाव में मरीज अधिक परेशान हो जाता है। संवेदनशील व्यवहार और स्पष्ट सूचना भी आधी समस्या का समाधान कर देती है। इस विषय में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय स्तर पर समस्याओं की जानकारी सरकार तक पहुंचानी चाहिए। जहां भी दवा की कमी हो, वहां तत्काल समाधान के लिए प्रयास होने चाहिए। स्वास्थ्य सेवा राजनीति का नहीं बल्कि मानवता का विषय है। इसलिए सभी पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए।

सरकार के सामने यह अवसर भी है कि वह इस घटना को एक चेतावनी के रूप में लेकर पूरे प्रदेश में दवा आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करे। जिन अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं की कमी है वहां तत्काल अतिरिक्त स्टॉक भेजा जाए। खरीद प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा तेज बनाया जाए। जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होती है, वहां जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। इससे जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

पेट्रोल में एथनाल : आखिर ये माजरा क्या है?

निर्मल रानी

भारत में इन दिनों पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण किये जाने यानी ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले नुक़्सान को लेकर बहस छिड़ गयी है। इसके प्रयोग से देश भर से वाहनों के इंजन खराब होने की खबरें मीडिया में आने लगी हैं। ई20 उपभोक्ता अब न केवल इसकी शिकायतें करने लगे हैं बल्कि जगह जगह इसे लेकर धरना प्रदर्शन भी होने लगे हैं। गत दिनों तो दिल्ली के जंतर मंतर पर भी ई20 मिश्रित पेट्रोल के विरोध में प्रदर्शन किया गया।और इससे वाहनों को होने वाले नुक़्सान को लेकर सरकार को अवगत कराया गया। भारत में हो रहे इसके विरोध व इसके इस्तेमाल से आ रही परेशानियों व वाहनों को हो रहे कथित नुक़्सान की खबरों के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भी भारतीय तेल कंपनियों से एथनाल मिश्रित ई 20 पेट्रोल वहां न भेजने व केवल पूर्व में भेजा जा रहा केवल शुद्ध XP100 जैसे पेट्रोल की आपूर्ति करने को कहा है। भूटान द्वारा इसका कारण यह बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर भण्डारण के पुराने भूमिगत फ़्यूल टैंक में ई 20 पेट्रोल के भण्डारण की वजह से पानी के रिसाव का जोखिम है जिससे एथनाल मिश्रित ईंधन खराब हो सकता है। क्योंकि इथेनॉल की प्रवृति नमी को आकर्षित करने वाली होती है और वातावरण से नमी लेने पर ईंधन की गुणवत्ता घट सकती है और इंजन में अनेक प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा पहाड़ी इलाके में स्टोरेज और सप्लाई श्रृंखला को आधुनिक करना भी आवश्यक होगा, जिसमें तत्काल परिवर्तन करना जोखिमपूर्ण माना गया। भूटान द्वारा अपनी आपत्ति में पहाड़ी रास्तों में वाहन के परफार्मेंस पर भी फर्क पड़ने का संदेह व्यक्त किया गया है।

भारत में भी देश भर से गाड़ियों के खराब होने,गाड़ियों की पेट्रोल टंकी के गलने व जंग लगने,माइलेज कम होने व इंजन के खराब होने तक की शिकायतें आने लगी हैं। और उधर इसी ई 20 पेट्रोल की आपूर्ति व खपत की आड़ में शुद्ध पेट्रोल यानी एक्सपी100 का मूल्य 167 रुपए प्रति लीटर तक हो गया है। एथनाल के उपयोग से केवल गाड़ियां ही खराब नहीं हो रही हैं बल्कि इसके उत्पादन में भी पानी का भी बेतहशा दुरूपयोग किया जा रहा है जिससे भविष्य में यह जलसंकट का कारण भी बन सकता है। गौरतलब है कि एथनॉल का उत्पादन चावल ,मक्का और गन्ना आदि की फसलों से होता है। और इन सभी फसलों की पैदावार में बेतहाशा पानी का इस्तेमाल होता है। इसके बाद जब इसी फसल से एथनॉल बनाया जाता है तो इसमें और भी ज्यादा पानी खर्च होता है। मिसाल के तौर पर चावल से 1 लीटर एथनॉल बनाने में लगभग 10790 लीटर पानी खर्च होता है जबकि मक्का से 1 लीटर एथनॉल बनाने में करीब 4670 लीटर पानी की खपत होती है इसी तरह गन्ने से मात्र 1 लीटर एथनाल बनाने में तकरीबन 3630 लीटर पानी लगता है। गोया पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की नीति देश के जल बचाने के अभियान के ठीक विरुद्ध जलसंकट खड़ा करने में भी सहायक हो सकती है। जरा सोचिये कि जब ई20 पेट्रोल की आपूर्ति में जल का इतना इस्तेमाल होता है तो यदि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की इच्छानुसार पेट्रोल में 85 प्रतिशत मिश्रण कर ई85 की आपूर्ति की योजना पर अमल किया गया तो भारत जैसे उस देश में पानी के अकाल को कैसे टाला जा सकेगा जहां के कई इलाकों में पहले ही पीने का पानी लोगों को मयस्सर नहीं है?

हालांकि अब खबर यह भी आ रही है कि भारी विरोध के बीच केंद्र सरकार अब ई25 पेट्रोल को लागू करने की योजना को फिलहाल टाल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार अब इस ई25 बदलाव को जल्दबाजी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है।

देश में पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण को लेकर कुछ जिम्मेदार लोगों के विरोधाभासी बयान भी सुनाई दे रहे हैं। इसकी वजह से आम लोगों में एथनाल के मिश्रण के प्रति अविश्वास व भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। मिसाल के तौर पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्जीक्युटिव वाईस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने अपने एक इंटरव्यू में पहले तो यह स्वीकार किया था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से बेशक फ़्यूल एफिशिएंसी में कुछ कमी आती है। परन्तु बाद में उन्होंने ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे परफॉर्मेंस के मामले में बेहतरीन ईंधन भी बता डाला। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बायोफ़्यूलस के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनुराग सरावगी ने भी स्वीकार किया था कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ियों की माइलेज में 30 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। इतना ही नहीं बल्कि भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने गत 30 जून को सर्वोच्च न्यायलय में एक सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया कि ई-20 पेट्रोल का इस्तेमाल फिलहाल एक प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है। इस बात के सार्वजनिक होने के बाद तो लोगों में और भी आक्रोश फैल गया कि आखिर प्रयोग के तौर पर उन्हें गिनी पिग अर्थात प्रयोग किये जाने वाला जीव क्यों बनाया जा रहा है। उसके बाद सरकार की तरफ से यह स्पष्टीकरण जारी किया गया कि अटॉर्नी जनरल के हवाले से कही जा रही बातें गलत हैं।

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी एक तरह से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की बातों का समर्थन करते हुए इस बात पर नाराजगी जताई कि 3.6 करोड़ भारतीय कार मालिकों पर इसतरह के प्रयोग क्यों किए जा रहे हैं ? उन्होंने कहा कि अभी भारत में 10 में से 9 गाड़ियां ई20 के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह नीति आम सहमति के बिना और इसके होने वाले परिणामों को समझे बगैर लागू कर दी गई है। खड़गे ने यह भी कहा, हमारी गाड़ियों में इसे जबरदस्ती डालने के बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन बदलने की इस प्रक्रिया को प्रयोग नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि जब सरकार का अपना डेटा ही अभी तक तैयार नहीं है, तो नागरिकों को नुक़्सान साबित करने की चुनौती नहीं दी जा सकती। आम लोग गिनी पिग नहीं हैं न ही हमारी सड़कें टेस्ट ट्रैक हैं और देश के उपभोक्ताओं की जेबें सरकार के ट्रायल का बजट नहीं हैं। खड़गे ने ई20 को वापस लेने मांग करते हुये कहा कि सरकार पहले इसे प्रयोग के योग्य,स्वीकार्य व प्रमाणित ईंधन साबित करे, फिर इसे प्रयोग करने की नीति लागू करें। निश्चित रूप से पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण देश के वाहन धारकों के लिये फिलहाल एक समस्या बन गया है और सरकार द्वारा इसके पक्ष में दिए जा रहे तर्कों व विशेषज्ञों व इस नीति के आलोचकों द्वारा उठाये जा रहे बिंदुओं के बीच देश समझ ही नहीं पा रहा है की आखिर ये माजरा क्या है?

हिंद-प्रशांत में भारत का बढ़ता सामर्थ्य एवं साझेदारियां

ललित गर्ग

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं।

भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ताएँ इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में हुए समझौते यह स्पष्ट करते हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं। भारत की स्वदेशी अस्त्र मिसाइल और ब्रह्मोस मिसाइल आज केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम भी बन रही हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन हथियारों की प्रभावशीलता ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश अपने सुखोई लड़ाकू विमानों के लिए अस्त्र मिसाइल प्राप्त करना चाहते हैं तथा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह भारत के रक्षा उद्योग के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। मलक्का जलडमरूमध्य जैसे विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री

मार्ग पर उसकी रणनीतिक स्थिति वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग केवल दो देशों के संबंधों को मजबूत नहीं करता, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी नया आयाम देता है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, रक्षा तकनीक, साइबर सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर होकर नहीं, बल्कि समान साझेदारी और परस्पर सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित कर रहा है। भारत किसी देश पर अपनी शक्ति थोपने में विश्वास नहीं रखता। उसकी विदेश नीति का मूल मंत्र है-'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'विश्व बंधुत्व'। यही कारण है कि भारत जहां अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी विश्वासपूर्ण साझेदारी विकसित कर रहा है।

आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन चुका है। चीन का विस्तारवादी रवैया, दक्षिण चीन सागर में उसका सैन्यीकरण, छोटे देशों पर दबाव बनाने की नीति तथा आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत ने इन परिस्थितियों में संतुलित, शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ रणनीति अपनाई है। भारत किसी के विरुद्ध युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से कोई समझौता भी नहीं करता। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व का विश्वसनीय साझेदार बनाता है। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए स्पष्ट संदेश है कि नया भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक तकनीकी युद्ध की तैयारियों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन इस दिशा में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उन्होंने भारत की वैश्विक छवि को अभूतपूर्व ऊंचाई प्रदान की है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को केवल विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय मित्र, तकनीकी साझेदार, निवेश गंतव्य और सुरक्षा सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, क्वाड की सक्रिय भूमिका, इंडो-पैसिफिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज तथा जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व इसकी पुष्टि करता है। भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीतिक दस्तावेज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। रक्षा निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है, लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिल रही है और भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र सदैव शांति, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान रहा है। आदर्श स्थिति में किसी भी दो देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की नींव किसी तीसरे देश के प्रति वैमनस्य या शत्रुता पर नहीं, बल्कि साझा विकास, सुरक्षा और स्थिरता पर आधारित होनी चाहिए। किंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति आदर्शों से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों और शक्ति-संतुलन से संचालित होती है। आज चीन और पाकिस्तान अपने सैन्य एवं आर्थिक गठजोड़ को सऊदी अरब तक विस्तार देने के प्रयासों में जुटे हैं। हाल के सप्ताहों में सऊदी नेतृत्व और बीजिंग के बीच बढ़ती सक्रियता इस बदलते भू-राजनीतिक समीकरण का संकेत है। यद्यपि सऊदी अरब की प्राथमिक सुरक्षा चिंताएं पाकिस्तान और चीन से अलग हैं तथा उसका प्रमुख ध्यान खाड़ी क्षेत्र में ईरान के बढ़ते प्रभाव पर केंद्रित है, फिर भी बदलते वैश्विक समीकरण भारत के लिए सतर्क रहने का संदेश देते हैं। पाकिस्तान हर परिस्थिति में भारत के विरुद्ध रणनीतिक लाभ उठाने का अवसर तलाशता है, जबकि चीन अपने विस्तारवादी दृष्टिकोण के माध्यम से क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करने का प्रयास करता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी, संतुलित और सक्रिय विदेश नीति भारत के हितों की प्रभावी सुरक्षा करती दिखाई देती है। उनकी कूटनीति केवल मित्र देशों के साथ विश्वास बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन और पाकिस्तान की शरारतों, षड्यंत्रों तथा सामरिक चुनौतियों का संयमित और दृढ़ता से सामना करने की क्षमता भी प्रदर्शित करती है। यही दूरगामी सोच भारत को एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। आज विश्व एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो शक्ति और शांति, विकास और सुरक्षा, तकनीक और मानवता के बीच संतुलन स्थापित कर सके। भारत इस भूमिका को सफलतापूर्वक निभाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह सिद्ध किया है कि सशक्त राष्ट्र वही होता है जो अपनी रक्षा करने में सक्षम होने के साथ-साथ विश्व शांति और मानव कल्याण का भी वाहक बने। निस्संदेह भारत अब विस्तारवाद का नहीं, विकासवाद का प्रतीक है। वह हथियारों का निर्माण युद्ध भड़काने के लिए नहीं, बल्कि शांति की रक्षा और संतुलन स्थापित करने के लिए कर रहा है। यही भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व की पहचान है। आने वाले वर्षों में भारत की यही संतुलित विदेश नीति, आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति और विश्वसनीय कूटनीतिक नेतृत्व न केवल विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेगा, बल्कि विश्व व्यवस्था को भी अधिक सुरक्षित, संतुलित और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).
कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना. डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

खाड़ी संकट गहराया, कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल

ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर के करीब, वैश्विक बाजारों पर भी असर

मुंबई ।

मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल देखने को मिल रहा है। 9 जुलाई को ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। बाजार पर अमेरिका द्वारा ईरान पर नए सैन्य हमलों की चेतावनी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुए तेल टैंकरों पर हमलों का सीधा असर दिखाई दे रहा है। निवेशकों को आशंका है कि अगर हालात और बिगड़े, तो वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे कीमतें और तेजी से बढ़ेंगी। इस बढ़ते तनाव का असर केवल कच्चे तेल तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के शेयर बाजारों पर भी दिख रहा है। हालांकि, कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाने का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। उनका कहना है कि वैश्विक तेल बाजार ने संकट के दौरान उम्मीद से बेहतर मजबूती दिखाई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शुरुआत में प्रतिदिन 2 करोड़ बैरल तेल की कमी का डर था, लेकिन वैकल्पिक सप्लाई रूट के कारण अब वास्तविक कमी लगभग 1.22 करोड़ बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का मेगा आईपीओ 14 जुलाई से खुलेगा

कंपनी ने तय किया प्राइस बैंड, एसबीआई और एमुंदी बेचेंगे हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (एसबीआई एफएम) अपना बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही है। कंपनी ने इसके लिए प्राइस बैंड और अन्य महत्वपूर्ण तारीखों की घोषणा कर दी है, साथ ही रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) पास अपना रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) भी दाखिल कर दिया है। यह आईपीओ 14 जुलाई से निवेशकों के लिए खुलेगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी है कि उसकी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, अपना आईपीओ ला रही है। कंपनी ने अपने आईपी ओ के लिए प्रति शेयर 545 से 574 रुपये का प्राइस बैंड निर्धारित किया है। खास बात यह है कि कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति शेयर 54 रुपये का विशेष डिस्काउंट भी प्रदान करेगी। निवेशकों को न्यूनतम 26 शेयरों के लिए बोली लगानी होगी, जिसके बाद वे 26 के गुणकों में आवेदन कर सकेंगे। यह आईपी ओ निवेशकों के लिए 14 जुलाई, मंगलवार को खुलेगा और 16 जुलाई, गुरुवार को बंद होगा। एंकर निवेशक 13 जुलाई को, यानी इश्यू खुलने से एक दिन पहले ही बोली लगा सकेंगे। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईपी) के लिए बोली लगाने की अंतिम तारीख भी 16 जुलाई ही रहेगी। कंपनी ने पहले की एक सूचना में क्यूआईपी के लिए 15 जुलाई की तारीख का उल्लेख किया था, जिसे अब सुधार कर 16 जुलाई कर दिया गया है। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, जिसका अर्थ है कि कंपनी को इस इश्यू से कोई पूंजी नहीं मिलेगी।

टीसीएस नतीजों से पहले आईटी शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को आईटी सेक्टर की शुरुआत कमजोर रही। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के जून तिमाही के नतीजे घोषित होने से पहले निवेशकों ने आईटी शेयरों में मुनाफावसूली की। इसके चलते निफ्टी आईटी सूचकांक सुबह के कारोबार में करीब 1 फीसदी गिर गया, जो 27,311.30 अंक पर कारोबार करता दिखा। प्रमुख आईटी शेयरों में गिरावट देखी गई, जिसमें इंफो सिस का शेयर करीब 1.78 फीसदी और खुद टीसीएस का शेयर 1.04 फीसदी टूटा। एचसीएल टेक में भी 0.81 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बाजार की नजर पूरी तरह टीसीएस के नतीजों पर टिकी है, जो कारोबार बंद होने के बाद जारी होंगे। इन्हीं नतीजों से पूरे सेक्टर के आउटलुक का अंदाजा लगाया जाता है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि टीसीएस के लिए जून तिमाही बहुत मजबूत नहीं रहने वाली है। आय में मामूली बढ़ोतरी या स्थिरता और कर्मचारियों की वेतन वृद्धि व कमजोर आईटी खर्च से मुनाफे के मार्जिन पर दबाव रह सकता है। जेएम फायनें सियल ने पश्चिम एशिया में तनाव और एआई से बढ़ते प्राइसिंग प्रेशर को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 की धीमी शुरुआत की आशंका जताई है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 95.50 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार के कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.52 पर आ गया।

पश्चिम एशिया में फिर से तनाव उत्पन्न होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से वैश्विक स्तर पर निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितताओं की आशंका बढ़ गई। हालांकि, घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.52 प्रति डॉलर पर खुला जो उसके पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है।

रुपया बुधवार को 52 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.48 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 100.98 पर रहा।

अदाणी अमेरिकी कोर्ट में दाखिल करेंगे हलफनामा

आरोपों की वापसी पर देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली।

उद्योगपति गौतम अदाणी इस सप्ताह अमेरिकी अदालत में एक महत्वपूर्ण हलफनामा दाखिल कर सकते हैं। यह कदम अदालत के उस निर्देश के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें उन्हें अभियोग वापस लेने से जुड़े किसी संभावित समझौते, प्रस्ताव या लाभ की जानकारी का खुलासा करने को कहा गया है। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने पहले कहा था कि उसने प्रतिभूति मामले को कानूनी आधार न होने के कारण वापस ले लिया था।

न्याय मंत्रालय के अधिकारी मैककॉट्टर ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया था जिनमें आरोप वापस लेने के बदले अमेरिका में निवेश की बात कही गई थी। हालांकि, न्यायाधीश ने सरकार के इस पक्ष पर संदेह व्यक्त किया और आशंका जताई कि किसी प्रकार की अघोषित सहमति या व्यवस्था रही हो सकती है। अदालत ने अदाणी को 15 जुलाई तक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

फोर्ड ने कोयंबतूर में खोला तीसरा वैश्विक केंद्र, भारत में तकनीक और डेटा पर जोर

600 से अधिक कर्मचारियों के साथ यह कार्यालय वैश्विक परिचालन मजबूत करेगा

नई दिल्ली ।

अमेरिका की फोर्ड मोटर कंपनी की सहायक इकाई फोर्ड बिजनेस सॉल्यूशंस (एफबीएस) ने भारत में अपने तीसरे वैश्विक क्षमता केंद्र का कोयंबतूर में उद्घाटन किया है। यह नया केंद्र फोर्ड के वैश्विक परिचालन को मजबूत करेगा और चेन्नई स्थित एफबीएस केंद्र के लिए एक समर्पित बिजनेस कंटिन्यूटी केंद्र (बीसीसी) के तौर पर काम करेगा, जो वैश्विक लेखांकन, क्रेडिट और कारोबारी परिचालन टीमों को सेवाएं देगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, भविष्य में भारत में फोर्ड की लगभग 50 फीसदी वृद्धि तकनीक, डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्रों से आएगी। कोयंबतूर केंद्र में शुरुआती चरण में 600 से अधिक कर्मचारियों सहित करीब 800 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। यह एसवीबी टेक पार्क में 82,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में तीन मंजिलों में फैला है। एफबीएस इंडिया की प्रमुख और प्रबंध निदेशक गंगाप्रिया चक्रवर्ती ने कहा, यह केंद्र हमारी बिजनेस कंटिन्यूटी रणनीति का अहम हिस्सा है, जो मौसम या अन्य कारणों से चेन्नई के कामकाज प्रभावित होने पर भी वैश्विक बाजारों को निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करेगा। अगस्त 2022 में फोर्ड द्वारा भारत में अपने विनिर्माण संयंत्र बंद करने के बावजूद, एफबीएस इंडिया में फिलहाल 12,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। चेन्नई का ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस सेंटर फोर्ड के वैश्विक सफल मॉडलों के डिजाइन व विकास में महत्वपूर्ण रहा है, जबकि बेंगलुरु में भी एक तकनीकी इनक्यूबेशन सेंटर है। कोयंबतूर कार्यालय को सहयोगात्मक और हाइब्रिड कार्य प्रणाली के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें 230 से अधिक वर्कस्टेशन, मीटिंग रूम और फोकस रूम जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 238, निफ्टी 81 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनियां भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज जहां प्रमुख सूचकांक हरे निशान पर खुले और पूरे दिन मजबूत बने रहे। हालांकि, कारोबारी सत्र के अंतिम पलों में थोड़ी बिकवाली देखने को मिली पर इसके बाद भी बाजार ने अपनी तेजी बरकरार रखी। दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 238 अंक उछलकर 76,741 के स्तर पर बंद हुआबंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 81 अंकों की मजबूती के साथ ही 23,962 के स्तर पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल बना रहा। यह प्रदर्शन वैश्विक बाजारों से मिल रहे मिश्रित संकेतों के बावजूद भारतीय बाजार की आंतरिक मजबूती को दर्शाता है।

यह तेजी केवल मुख्य सूचकांकों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जबरदस्त उछाल रहा। , जिसने बाजार की सकारात्मक भावना को और मजबूत किया। निवेशकों ने छोटे और मझोले आकार की कंपनियों में खासा उत्साह दिखाय। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में प्रभावशाली 1.80 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 ने भी 1.38 फीसदी की शानदार रैली दिखाई। यह व्यापक बाजार में आत्मविश्वास बढ़ने और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में वृद्धि का संकेत है।

निफ्टी 50 के भीतर, कुछ कंपनियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया और बाजार को ऊपर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें सन फार्मा सबसे आगे रहा, जिसने 2.68 फीसदी की बढ़त हासिल की। इसके बाद, भारती एयरटेल में 2.28 फीसदी, बजाज फिनसर्व में 2.17 फीसदी और इंटरग्लोब में 2.06 फीसदी की शानदार तेजी दर्ज की गई।

हालांकि, बाजार की इस समग्र तेजी के बीच, कुछ शेयरों को नुकसान भी उठाना पड़ा। निफ्टी 50 की कंपनियों में डॉ रेड्डीज सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जिसमें 5.90 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई। इसके बाद, इंफोसिस में 1.74 फीसदी , मारुति सुजुकी में 1.60 फीसदी , एनटीपीसी में 1.44 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिसने बाजार के कुछ क्षेत्रों पर दबाव बनाया। इससे पहले आज सुबह के शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 भी 111.35 अंकों की बढ़त के साथ ही 23,993.40 के स्तर पर पहुंचा, जो जल्द ही 24,000 के मनोवैज्ञानिक आंकड़े के करीब पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स भी 342 अंक बढ़कर 76,845.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सरकार ने किया काम, अब उद्योग की बारी, सीईए का एआई चुनौती पर जोर

एआई से निपटने को कौशल और नवाचार में निवेश जरूरी

नई दिल्ली ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को उद्योगों से कृत्रिम मेधा (एआई) से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए कौशल विकास, क्षमता निर्माण और नवाचार में निवेश करने का आग्रह किया। सीआईआई जीसीसी शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने बजट में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) को समर्थन देकर अपना काम कर दिया है, अब उद्योग की बारी है। नागेश्वरन ने बताया कि केंद्रीय बजट में जीसीसी के लिए ट्रांसफर प्राइसिंग सेफ हार्बर व्यवस्था को सरल बनाकर और छोटे शहरों तक विस्तार को प्रोत्साहित कर सरकार ने उद्योग की लंबे समय से लंबित मांग पूरी की है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि एआई ने पुराने कारोबारी मॉडल को चुनौती दी है, जिससे नियमित और दोहराए जाने वाले कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने आगाह किया कि केवल कम लागत पर आधारित मॉडल जोखिम में हैं, और उद्योगों को लागत-आधारित मॉडल से क्षमता-आधारित मॉडल तथा निष्पादन से नवाचार की ओर बढ़ना होगा। सीईए ने उद्योगों से क्षमता निर्माण और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार रनवे तैयार कर सकती है, लेकिन विमान नहीं उड़ा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि सफलता से आत्मसंतोष नहीं होना चाहिए, क्योंकि प्रतिस्पर्धी देश अपनी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं, लागत बढ़ रही है और कुशल प्रतिभा की

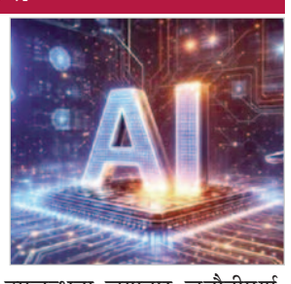

उपलब्धता लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। भारत की दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त इसी पर निर्भर करेगी कि वह एआई के लिए स्वयं को कितना तैयार करता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को मिलेगी गति, प्रमुख कलपुर्जों पर सीमा शुल्क समाप्त

केंद्र सरकार ने डिस्प्ले असेंबली, लिथियम-आयन सेल जैसे सामानों पर बीसीडी हटाई

नई दिल्ली ।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने गुरुवार को सरकार के उस महत्वपूर्ण फैसले का स्वागत किया, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उपयोग होने वाले प्रमुख कलपुर्जों पर बुनियादी सीमा शुल्क (बीसीडी) को समाप्त कर दिया गया है। कृष्णन ने इस कदम को देश की मूल्य श्रृंखला को और मजबूत बनाने तथा घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा उद्योग को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण बदलाव करार दिया। एक कार्यक्रम से इतर बातचीत में सचिव कृष्णन ने बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत की ओर से लगातार किए गए अनुरोधों का परिणाम है। वित्त मंत्रालय के समक्ष मामला उठाने के बाद अब इस संबंध में अधिसूचनाएं जारी हो चुकी हैं। उनका मानना है कि यह पहल विशेष रूप से देश के इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा उद्योग के लिए एक बड़ी राहत और प्रोत्साहन होगी।

सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के व्यापक उद्देश्य से यह छूट प्रदान की है। इसके तहत डिस्प्ले असेंबली, लिथियम-आयन सेल और इंडक्टर कॉयल मॉड्यूल जैसे प्रमुख कलपुर्जों के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले सामान पर बुनियादी सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया है।

खाद्य तेलों की कीमतें बढ़ेंगीं रसोई बजट पर दोहरी मार

महंगे आयात और घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट से फिलहाल राहत की उम्मीद कम

मुंबई ।

आयातित खाद्य तेलों की लगातार बढ़ती कीमतें और कमजोर मानसून के कारण घरेलू तिलहन उत्पादन पर मंडराते खतरे के चलते आने वाले महीनों में रसोई का बजट और बढ़ सकता है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में महंगी खरीद और घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट के कारण उपभोक्ताओं को तत्काल राहत की संभावना नहीं है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुसार सरसों, सोयाबीन और पाम तेल की औसत खुदरा कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में 10-12 प्रतिशत अधिक हैं। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन के मुताबिक बढ़ती परिवहन लागत, कमजोर रुपया और प्रमुख उत्पादक देशों द्वारा खाद्य तेल का बायोडीजल में बढ़ता उपयोग आयात लागत को बढ़ा रहा है। इंडोनेशिया का नया बी50 बायोडीजल कार्यक्रम वैश्विक बाजार में पाम तेल की उपलब्धता को और कम करेगा, जिससे कीमतें और बढ़ सकती हैं। वहीं इस वर्ष कमजोर और असमान

मानसून का असर घरेलू तिलहन उत्पादन, विशेषकर सोयाबीन और मूंगफली पर पड़ने की आशंका है। गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में बुवाई का रकबा पिछले वर्ष की तुलना में काफी पीछे चल रहा है। इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन का अनुमान है कि इन चुनौतियों के कारण भारत की खाद्य तेल आयात पर निर्भरता और बढ़ेगी, जो वर्ष 2025-26 तक 16.8 मिलियन टन तक पहुंचने का अनुमान है।

देश के आठ शहरों में प्रीमियम घरों का दबदबा किफायती खंड पिछड़ा

जनवरी-जून 2026 में 8 शहरों में कुल बिक्री मामूली बढ़कर 1.71 लाख इकाई

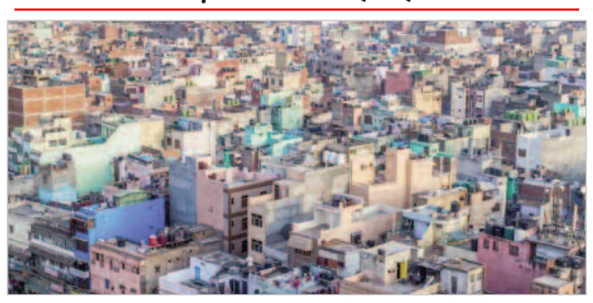

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-जून 2026 की अवधि में आवासीय बिक्री में 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई, जो 1.71 लाख इकाई तक पहुंच गई। इस अवधि में प्रीमियम मकानों की मांग में उल्लेखनीय उछाल देखा गया, जिनकी कुल बिक्री में 54 प्रतिशत की प्रभावशाली हिस्सेदारी रही। नाइट फ्रैंक इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक कुल बिक्री 1,71,471 इकाई रही, जो पिछले साल की 1,70,201 इकाई से मामूली अधिक है। इस वृद्धि में एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले मकानों की मुख्य भूमिका रही। वहीं, किफायती (50 लाख रुपये से कम) मकानों की बिक्री 15 प्रतिशत घटकर 32,063 इकाई (कुल बिक्री का 19 फीसदी) रह गई, जबकि मध्यम आय वर्ग (50 लाख से 1 करोड़ रुपये) के मकानों की बिक्री पांच प्रतिशत घटकर 46,490 इकाई (कुल बिक्री का 27 फीसदी) रही। आठ शहरों में से दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सभी जगह आवास बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई, जहां सालाना आधार पर सात प्रतिशत की गिरावट आई।

इस वर्ष की पहली छमाही में नए आवासों की पेशकश चार प्रतिशत बढ़कर 1,87,350 इकाई हो गई। नाइट फ्रैंक इंडिया ने कहा कि बाजार के बुनियादी कारक मजबूत हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू आय में वृद्धि, खरीदारों की बदलती आकांक्षाएं और गृह स्वामित्व में बढ़ता विश्वास प्रीमियम खंड को बल दे रहा है। शहरीकरण, बुनियादी ढांचा निवेश व स्थिर आर्थिक माहौल आवासीय बाजार को निरंतर सहारा दे रहे हैं।

तेल बाजार में विरोधाभास यूएस में कच्चे तेल का भंडार बढ़ा पर पेट्रोल-डीजल का घटा

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उछाल, डॉलर भी मजबूत

नई दिल्ली ।

अमेरिका के ऊर्जा बाजार से मिले नए आंकड़े मिले-जुले संकेत दे रहे हैं। जहां एक ओर कच्चे तेल का भंडार बढ़ा है, वहीं पेट्रोल और डीजल के स्टॉक में अप्रत्याशित गिरावट दर्ज की गई है। इसी बीच पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर दोनों को मजबूती दी है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार 3 जुलाई को समाप्त सप्ताह में कच्चे तेल का भंडार 29.98 लाख बैरल बढ़कर 41.13 करोड़ बैरल हो गया, जो 10 हफ्तों की गिरावट के बाद पहली बार बढ़ा है। हालांकि, बाजार की उम्मीदों के विपरीत, पेट्रोल का भंडार 19.04 लाख बैरल घटकर 21.21 करोड़ बैरल और डीजल का स्टॉक 49.8 लाख बैरल घटकर 10.36 करोड़ बैरल पर आ गया। शुद्ध आयात में वृद्धि ने कच्चे तेल के भंडार को बढ़ाया। इन विरोधाभासी आंकड़ों के बावजूद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 1 फीसदी की तेजी देखी गई। ब्रेंट क्रूड 78.81 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह तेजी पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव (अमेरिका-ईरान सैन्य कार्रवाई की पुष्टि), आपूर्ति अनिश्चितता और महंगाई की चिंताओं का परिणाम है। तनाव बढ़ने से डॉलर इंडेक्स भी 101 के करीब मजबूत हुआ है, क्योंकि निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर रुख कर रहे हैं।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वैश्विक महंगाई की चिंताओं को बढ़ा रही हैं, जिससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरों में जल्द कटौती न करने का दबाव बढ़ा है। बाजार 2026 तक फेड की ओर से एक बार ब्याज दर बढ़ने की संभावना देख रहा है। निवेशक अब अमेरिका के बेरोजगारी दावों और हाउसिंग डेटा पर नजर बनाए हुए हैं।

एडीबी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर किया 6.6 प्रतिशत

मुद्रास्फीति भी बढ़ी फिर भी भारत सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण ऊर्जा कीमतों में संभावित उछाल को देखते हुए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है। एडीबी ने गुरुवार को जारी अपनी एशियाई विकास परिदृश्य रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों से वास्तविक आय पर पड़ने वाले दबाव के कारण यह संशोधन किया गया है। इसके विपरीत, वित्त वर्ष 2027-28 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7.3 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। एडीबी ने 2026-27 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान भी बढ़ा दिया है, जो अप्रैल के 4.5 प्रतिशत से बढ़कर अब 5.2 प्रतिशत हो गया है। 2027-28 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान चार प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी पिछले महीने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अपना अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत किया था। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पहले के 6.5 प्रतिशत से कम है।

अपनी बायोपिक का पहला पोस्टर लॉन्च होने पर बोले गांगुली

'यह अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट'

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने बुधवार को अपने 54वें जन्मदिन पर अपनी बायोपिक, 'दादाः द सौरव गांगुली स्टोरी' के फर्स्ट-लुक पोस्टर के लॉन्च को 'अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट' बताया। नेशनल अवॉर्ड विजेता एक्टर राजकुमार राव स्टारर यह फिल्म अगले साल 14 मई को थिएटर में रिलीज होगी। पोस्टर लॉन्च के बाद अपने पहले रिएक्शन में गांगुली ने कहा कि इस मौके ने उनके जन्मदिन को और भी खास बना दिया। उन्होंने कहा, 'जन्मदिन हमेशा खास होते हैं और आज मेरी बायोपिक 'दादा - द सौरव गांगुली स्टोरी' का फर्स्ट लुक रिलीज होने से यह और भी यादगार बन गया है। यह सच में अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट है।' पूर्व कप्तान ने कहा कि फिल्म का यह पोस्टर उन्हें उनके क्रिकेट करियर के सबसे यादगार और अहम पलों में से एक की याद दिलाता है। उन्होंने राजकुमार राव पर भरोसा जताते हुए कहा कि अभिनेता ने उनके जीवन और संघर्ष को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ पर्दे पर उतारा है। उन्होंने कहा, 'यह पोस्टर मुझे मेरे क्रिकेट सफर के एक बेहद खास पल में वापस ले जाता है। राजकुमार ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निभाया है। मुझे भरोसा है कि वह मेरी कहानी को दर्शकों तक बेहतरीन तरीके से पहुंचाएंगे। '

फिल्म के निर्माताओं को अपनी शुभकामनाएं देते हुए गांगुली ने उम्मीद जताई कि जब यह बायोपिक अगले साल सिनेमाघरों में आएगी, तो दर्शक बड़ी संख्या में इसे देखने आएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि फैंस 14 मई 2027 को बड़े पर्दे पर फिल्म का आनंद लेंगे। '

गांगुली के जन्मदिन के मौके पर जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर में अभिनेता राजकुमार राव भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक को दोबारा जीवंत करते नजर आते हैं। पोस्टर में वह लॉर्ड्स की बालकनी में शर्ट उतारकर खड़े हैं, ठीक उसी अंदाज में जैसे सौरव गांगुली ने 2002 नेटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद जश्न मनाया था। पोस्टर की पृष्ठभूमि में लहराता विशाल तिरंगा इस ऐतिहासिक पल को और भी भव्य बना रहा है।

चित्रा के. सोमन

कड़ी मेहनत से बनाई पहचान

कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता सिल्वर मेडल

ग्रांड प्रिक्स में भी लहराया परचम

नई दिल्ली । कुछ खिलाड़ियों में टैलेंट कूट-कूटकर भरा होता है, तो कुछ खिलाड़ी कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। ऐसी ही खिलाड़ी रहीं चित्रा.के.सोमन, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर 400 मीटर की दौड़ में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया। चित्रा का जन्म 10 जुलाई, 1983 को केरल के कोट्टायम में हुआ। चित्रा को शुरुआत से ही दौड़ने का काफी शौक था। वह स्कूल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। जल्द ही उनकी काबिलियत को कोच ने पहचाना और चित्रा ने बतौर धावक करियर बनाने का फैसला कर लिया। साधारण परिवार में जन्मीं चित्रा ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं। साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में 4×400 मीटर रिले स्पर्धा में चित्रा ने हिस्सा लिया और वह सातवें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में उन्होंने मंजीत कौर, के.एम.बीनामोल और राजविंदर कौर के साथ मिलकर 4×400 मीटर रिले में नेशनल रिकॉर्ड बनाया। टीम की साथी खिलाड़ियों संग मिलकर उन्होंने यह रिले 3:26.89 मिनट में पूरी की। इस प्रदर्शन ने विश्व स्तर पर उनको पहचान दिलाने का काम किया। साल 2006 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में चित्रा का प्रदर्शन लाजवाब रहा और वह सिल्वर मेडल जीतने वाली रिले टीम का हिस्सा रहीं।

इसके बाद, साल 2007 में हुई एशियाई ग्रांड प्रिक्स में भी चित्रा का जलवा देखने को मिला। उन्होंने 400 मीटर की दौड़ में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 400 मीटर की दौड़ को चित्रा ने 51.30 सेकंड में पूरा किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। साल 2007 में चित्रा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय सरकार द्वारा 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। चित्रा ने उस दौर में इस खेल में अपनी पहचान बनाई, जब काफी सीमित साधन हुआ करते थे। वह उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं, जो छोटे शहर से आकर अपने खेल के दम पर विश्व में पहचान बनाने की इच्छा रखती हैं।

आईसीसीटी-20 रैंकिंग

किशन शीर्ष पर बरकरार

● जैकब बेथेल ने लगाई लंबी छलांग

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी टी20 के बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाजों ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान तीसरे और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। भारत के तिलक वर्मा छठे, इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 76 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बेथेल 7 स्थान ऊपर चढ़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं। टी20 गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए तीसरे, और ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती को 2 स्थान का घाटा हुआ है, वह पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। जसप्रीत बुमराह को दो स्थान का घाटा हुआ है, वह आठवें स्थान पर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम घोषित

शुम्बा और न्यूमैन न्यामहुरी को मौका

हरारे। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली 3 टी20 मैचों की घरेलू सीरीज के लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथ में है। इस टीम में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो टी20 विश्व कप 2026 में जिम्बाब्वे को सुपर-8 तक पहुंचाने वाले कैंपेन का हिस्सा रहे थे। हरारे में चल रही वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद 15, 17 और 19 जुलाई को बुलावायो में 3 टी20 मैच खेले जाने हैं। टीम में दो

बदलाव हुए हैं। युवा तेज गेंदबाज न्यूमैन न्यामहुरी और बल्लेबाज मिल्टन शुम्बा को शामिल किया गया है। न्यामहुरी ने टी20 फॉर्मेट में अभी तक डेब्यू नहीं किया है। शुम्बा ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। बल्लेबाज बेन कुरेन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में ब्रेंडन टेलर की चोट के बाद टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया था, ने अपनी जगह बरकरार रखी है। ग्रेम क्रेमर बाएं हाथ में इंजरी की वजह से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

चयनकर्ता संयोजक डेविड मुटेंडेरा ने कहा कि टीम का चयन करते समय निरंतरता पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया था। उन्होंने कहा, 'टी20 विश्व कप ने दिखाया कि यह ग्रुप क्या करने में काबिल है, इसलिए निरंतरता हमारे लिए एक जरूरी बात थी। हम सुपर आठ तक पहुंचने वाली टीम के कोर को एक साथ रखना चाहते थे, साथ ही उन खिलाड़ियों के लिए भी जगह बनाना चाहते थे जिन्होंने अपने प्रदर्शन से अपने लिए मौके बनाए हैं। यह सीरीज टीम को आगे बढ़ने का एक और मौका देती है क्योंकि हम आगे के बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे हैं।'

जिम्बाब्वे टीम

सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मडांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकादज़ा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजराबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा।

लॉर्ड्स में महिलाओं का टेस्ट मैच एक शानदार मौका

इसका बेसब्री से इंतजार है: भारतीय कोच मजूमदार

लंदन। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इकलौता टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस खास मौके पर खुशी जाहिर करते हुए भारतीय हेड कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को कहा कि 'होम ऑफ क्रिकेट' में टेस्ट मैच खेलना किसी भी भारतीय क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, 'यह सोचकर ही हैरानी होती है कि लॉर्ड्स में यह पहला टेस्ट मैच (विमेंस) है। इसके बावजूद, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। मैं इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह एक शानदार मौका है और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। किसी भी भारतीय क्रिकेटर के लिए टेस्ट मैच खेलना ही एक सपना होता है, फिर लॉर्ड्स में खेलने की बात ही अलग है। मुझे यकीन है कि इस मुकाबले में जो भी खिलाड़ी सफेद जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे, उन्हें लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेलने पर गर्व होगा।' उन्होंने कहा, 'हमने ड्रेसिंग रूम में हमेशा यही बात कही है। पारंपरिक रूप से हमने टेस्ट मुकाबलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही हर कोई लॉर्ड्स में होने वाले टेस्ट मैच के बारे में बात कर रहा था। अब वह समय आ गया है, इसलिए खिलाड़ी निश्चित रूप से इसे लेकर उत्साहित होंगे। '

भारत ने विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। लीग स्टेज से बाहर होने के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट मैच में उतरेगी। मजूमदार ने स्वीकार किया है कि हालांकि प्रदर्शन 'मिला-जुला' रहा, लेकिन टीम ने सफलतापूर्वक अपना ध्यान सबसे लंबे फॉर्मेट पर लगा लिया है।

उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, यह मिला-जुला रहा है। हमें हार से उबरना था। हम निश्चित रूप से निराश थे। हमारा वर्ल्ड कप बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन इसके बावजूद, टीम का जज्बा सामने आना जरूरी था और हमें उस दौर से बाहर निकलकर जल्द ही टेस्ट मैच की तैयारी में जुटना था। मुझे लगता है कि हम ऐसा करने में कामयाब रहे हैं। हमने वर्म्सले क्रिकेट क्लब में तैयारी के पांच बहुत अच्छे दिन बिताए। यह एक खूबसूरत मैदान है और तैयारी के लिए एकदम सही जगह है और फिर यहां लॉर्ड्स में भी। हमारी तैयारी अच्छी रही है। '

टैमी ब्यूमोंट भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लेंगी संन्यास

लंदन। इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। टैमी भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जाने वाले मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगी। टैमी अपने 17 साल के शानदार करियर का अंत इस मशहूर मैदान पर टेस्ट मैच के साथ करेंगी, जिसकी शुरुआत 10 जुलाई से होगी। नवंबर 2009 में अपने अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करने वालीं टैमी ने इंग्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट में कुल 260 मैच खेले, जिसमें 7,325 रन बनाए। टैमी वनडे फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक 12 शतक लगाने वाली महिला खिलाड़ी हैं, जो साल 2017 में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड की ऐतिहासिक महिला वनडे वर्ल्ड कप जीत की मुख्य सूत्रधार थीं। उस टूर्नामेंट में टैमी ने सर्वाधिक 410 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की तरफ से जारी एक बयान में टैमी ने कहा, 'करीब 17 साल तक इंग्लैंड के लिए खेलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान रहा है। जब छोटी उम्र में क्रिकेट खेलने का शौक जगा, तब मुझे शायद ही पता था कि इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलना भी एक विकल्प हो सकता है। यह सोचकर मुझे बहुत खुशी होती है कि कितनी लड़कियां और लड़के इससे प्रेरित हुए हैं। हम हमेशा अगली पीढ़ी के लिए इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहते थे, और अब मेरे लिए यह मौका आ गया है कि मैं इंग्लैंड के खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को यह जिम्मेदारी सौंप दूं। लॉर्ड्स में होने वाला यह टेस्ट मैच, जो लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट है, मेरे करियर को अलविदा कहने का सबसे सही मौका है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा करियर इतना शानदार होगा।'

35 वर्षीय टैमी इंग्लैंड की उन दो महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने खेल के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है। टैमी टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली इंग्लिश महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2023 में विमेंस एशेज के दौरान ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 208 रन बनाए थे। टैमी ब्यूमोंट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वह घरेलू क्रिकेट में 'द ब्लेज' और 'द हंड्रेड' में 'बर्मिंघम फीनिक्स' के लिए खेलना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखूंगी, लेकिन अपने शानदार सपोर्ट के लिए सभी फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं।

फीफा विश्व कप: मोरक्को को झटका

फॉरवर्ड सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से हुए बाहर

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं। मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएगा। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, 'वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है। '

सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है।

फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है।

मैच से पहले अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेफरी के बारे में उन्होंने कहा, 'हम एक बहुत अनुभवी रेफरी की बात कर रहे हैं। हम यही चाहते हैं। हम इस तरह के मैचों के लिए अनुभवी रेफरी चाहते हैं। इसलिए हम बहुत शांत हैं। नीदरलैंड्स का सामना करने से पहले हमारे मैच में एक डच रेफरी था और उसने बहुत अच्छा काम किया था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3943

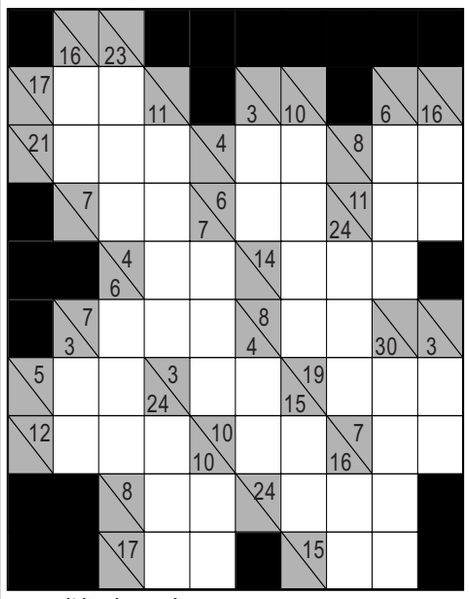

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3942 का हल

हंसी के फूव्वारें

शक्ल-सूरत से एकदम भोली दिखती एक जवान लड़की डॉक्टर के सामने बैठी हुयी थी. डॉक्टर ने उसका शारीरिक परीक्षण करने के बाद कहा, 'मेरा ख्याल है कि तुम्हारे बच्चा होने वाला है.' क्षण भर रुककर वह बोला, 'और यह संभव है कि तुम्हारे जुड़वां बच्चे हों.'

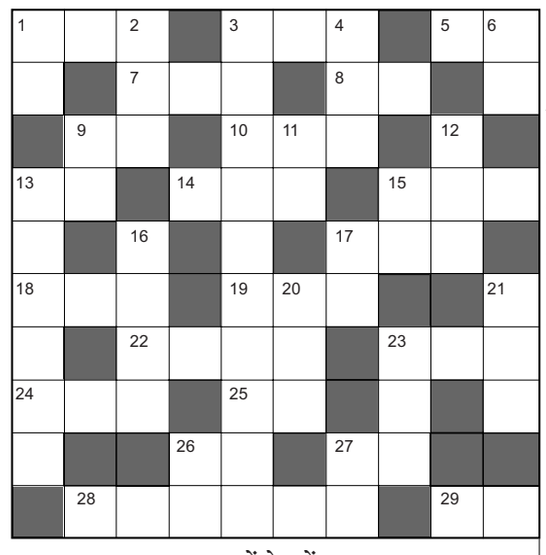

'लेकिन डॉक्टर साहब यह कैसे हो सकता है?' लड़की ने चकित स्वर में कहा, 'मैं अपने जीवन में एक बार में कभी दो से नहीं मिली हूँ.'

घरवाली ने जरा खीझते हुए आदमी से बोली, 'घर में जवान बेटी बैठी है और तुम्हें कोई चिंता नहीं, हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हो. कुछ भाग-दौड़ करो...'

आदमी ने एक गहरी सांस लेते हुए कहा, 'भागवान, कोई सही-सा लड़का मिले तो बात आगे...'

तड़-से घरवाली बीच में ही बात काटते हुए हाथ घुमाकर बोली, 'सोचो, अगर मेरे पिताजी भी सही लड़के की खोज करते, तो फिर तुम्हारा क्या होता?'

पति ने चिड़चिड़े लहजे में कहा, 'इस वक्त मुझे तंग मत करो, मेरे दिमाग में आग लगी है...'

'ओह !' पत्नी बोली, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि चमड़ा जलने की बदबू कहां से आ रही है !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3943

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3942

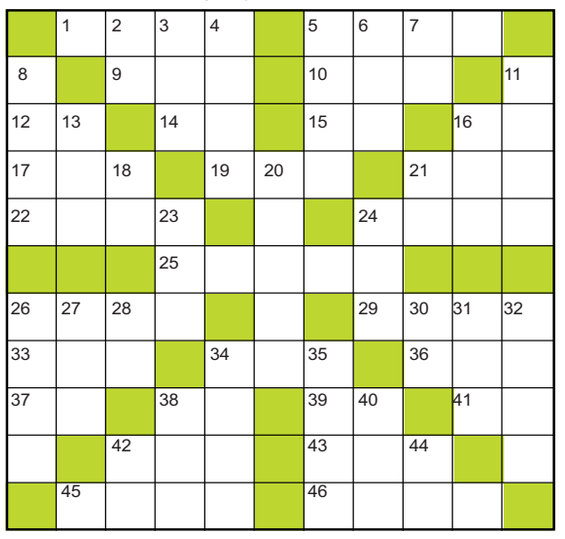

सूडोकु -3943

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3942 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 3943

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -3942 का हल

हृदय और मस्तिष्क पर असर डालता है तनाव

इंसान के शरीर में तनाव झेलने की क्षमता होती है, लेकिन एक सीमित समय तक। ताजा अध्ययन में पता चला है कि तनाव जब लंबे समय तक बना रहता है तो यह कई तरह से घातक साबित होता है। इसका सबसे ज्यादा असर हृदय, मस्तिष्क और अहम अंगों पर पड़ता है। यूं तो दुनियाभर में तनाव के खतरों पर रिसर्च हो रही है, तनाव कम करने के लिए उपाय भी तलाशे जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि नई पीढ़ी पर इसका जोरदार हमला हो चुका है, इससे भारत भी अछूता नहीं है। जानिए तनाव के मुख्य कारण, इससे शरीर को होने वाले नुकसान और बचने के उपायों के बारे में-

तनाव के कारण अलग-अलग हो सकते हैं। काम का दबाव, आपसी रिश्तों की खटास या आर्थिक तंगी, कारण चाहे जो हों, लेकिन असर एक जैसे हैं। तनाव जितना ज्यादा रहेगा, हमारे शरीर को स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल से जूझना पड़ेगा। कुछ मामले में तनाव स्थायी हो जाता है और यह स्थिति बहुत बुरी होती है।

शरीर को ऐसे पहुंचाता है नुकसान

शरीर में लंबे समय से तनाव बना हुआ है तो यह दिमाग पर असर डालता है। इंसान की मानसिक शक्ति कमजोर होती जाती है। उसका मूड बनता-बिगड़ता रहता है। थोड़ा तनाव अच्छा होता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, लेकिन तनाव लंबे समय से बना हुआ है तो प्रतिरोधक क्षमता घटा देता है। ऐसे इंसान पर बीमारियां हावी होने लगती हैं। लंबे समय से शरीर में तनाव है तो इसका असर एक किस्म की व्हाइट ब्लड सेल साइटोटोक्सिक टी लिम्फोसाइट्स की कार्यक्षमता पर पड़ता है, जो शरीर को कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने की ताकत देती है।

समझिए हार्ट पर कैसे करता है अटैक

जब कोई इंसान तनाव में होता है तो शरीर का नर्वस सिस्टम सिम्पेथेटिक अल्फा-एड्रीनर्जिक रिसेप्टर्स रिलीज करता है। इसके साथ ही गुर्दे से जुड़ी ग्रंथियां रक्त में कैटेकोलामाइन या तनाव हार्मोन जारी करती हैं। इन दोनों (रिसेप्टर्स और हार्मोन) के मिलने से हृदय की धड़कनें बढ़ती हैं। इस कारण हाथ, पैर और हार्ट की तरफ रक्त का प्रवाह बढ़ता है। नतीजन शरीर में ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ती है और यह जरूरत पूरी नहीं होती है तो सीधा असर हार्ट पर पड़ता है और अटैक की आशंका रहती है।

न भूख लगेगी, न खाया हुआ पचेगा

तनाव का शरीर पर एक और बड़ा हमला गैस्ट्रोइन्टेस्टनल सिस्टम यानी जठरांत्र प्रणाली या पाचन प्रणाली पर होता है। यह हमला दो मोर्चों पर होता है। पहला - तनाव में इंसान को भूख नहीं लगती और दूसरा - वो जो भी खाता है, वो पचता नहीं है। इसके कारण इरिटेबल बाउल सिन्ड्रॉम (IBS) जैसे डिस्ऑर्डर पैदा होते हैं। IBS से सबसे ज्यादा नुकसान बड़ी आंत को होता है। यानी तनाव हमारी आंतों पर भी नकारात्मक असर डालता है।

तनाव से डरे नहीं, ऐसे करें सामना

विभिन्न रिसर्च में कहा गया है कि थोड़ा-बहुत तनाव जिंदगी का हिस्सा है। हमें यह समझना होगा कि तनाव से कैसे निपटा जाए। परिस्थितियों का सामना सही तरीके से करेंगे तो तनाव का बुरा असर नहीं होगा। कितना भी काम हो, कितना भी तनाव हो, रिलेक्स होने का समय निकालें। कोई समस्या है तो अपने रिश्तेदारों-दोस्तों से बात करें। समस्याओं का सही हल, तनाव से निजात दिला सकता है। तनाव को दूर रखना है तो खुद को सेहतमंद रखें। अच्छा खाएं, योगा-प्राणायम, व्यायाम करें। पैदल चले, स्वीमिंग करें, दौड़े- किसी भी तरह की ऐसी वर्जिश दिन में कम से कम 35 मिनट जरूर करें। ऐसा करने पर अच्छा महसूस होगा और शरीर में खुशी पैदा करने वाला एंडोर्फिन यानी हैप्पी हार्मोन दिनभर बना रहेगा।

तनाव से मुक्ति चाहते हैं तो दिन में कम से कम 7 से 8 घंटे जरूर सोएं। वैज्ञानिकों ने अब पता लगा लिया है कि अच्छी नींद का हेल्दी हार्ट और हेल्दी ब्रेन के साथ पक्का संबंध है। जब हम सोते हैं तब हमारा दिमाग सूचनाओं को खंगालता है। अगली बार यदि कोई आइडिया चाहिए तो संबंधित टॉपिक पर रिसर्च करने के बाद सो जाएं, उठेंगे तो शानदार आइडिया मिलेगा। हां, यह जरूर देखे लें कि आइडिया मिलने के बाद प्रजेंटेशन बनाने के लिए कितना समय मिलेगा, क्योंकि जो लोग जरूरी काम को अंतिम समय तक टालते हैं, वे ज्यादा तनाव में रहते हैं। अपने हर काम को अच्छी तरह प्लान करें। किसी भी योजना पर काम शुरू करने से पहले अच्छी और बुरी बातों का अध्ययन जरूर कर लें। इससे आप गैरजरूरी तनाव से बचे रहेंगे।

आखिरी सांस तक करूंगी एक्टिंग

सुमोना चक्रवर्ती ने लंबे समय से एंडोमेट्रियोसिस से जूझने के बाद इसकी सर्जरी कराई है। उन्होंने कहा कि इसे संभालने की कोशिशों के बावजूद यह बीमारी बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उनके मुताबिक उन्होंने लगभग दो महीने तक सोशल मीडिया से ब्रेक लिया था।

उन्होंने पिछले कुछ हफ्ते अपनी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने में बिताए। सुमोना चक्रवर्ती ने कहा कि अब वह ठीक हैं। बल्कि, बहुत अच्छी हैं। उनकी पोस्ट सिर्फ उनकी सेहत के अपडेट तक ही सीमित नहीं थी। उन्होंने सोशल मीडिया से दूर रहने के अपने समय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें वर्षों से ऑनलाइन किस तरह की प्रतिक्रियाएं मिली हैं। उन्होंने कहा कि अब वह डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके एक जैसी सोच वाले लोगों, खासकर महिलाओं का एक समुदाय बनाना चाहती हैं।

सुमोना की हुई सर्जरी

अपनी पोस्ट की शुरुआत हल्के-फुल्के अंदाज में करते हुए चक्रवर्ती ने लिखा 'हेलो! लंबे समय बाद वापस आकर खुशी हो रही है। पिछले दो महीनों से मैं दुनिया-दारी से दूर रही हूं।' उन्होंने कहा उस समय के ज्यादातर हिस्से में वह जान-बूझकर सोशल मीडिया से दूर रही थीं। फिर उन्होंने बताया कि बीमारी के बढ़ जाने की वजह से एंडोमेट्रियोसिस को हटाने के लिए उनकी सर्जरी हुई थी।

सुमोना को मिले नकारात्मक कमेंट्स

चक्रवर्ती ने कहा कि कई नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं, मगर वह नकारात्मक कमेंट से परेशान नहीं होंगी। वह आखिरी सांस तक काम और एक्टिंग करती रहेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि उन्होंने अपनी ज्यादातर पर्सनल जिंदगी को प्राइवेट रखा है और आगे भी ऐसा ही करना चाहती हैं, लेकिन जब भी उनकी जिंदगी की कोई बात सच में किसी की मदद कर सकती है, तो वह जरूर बोलेंगी।

वाइल्डकार्ड एंट्री से लॉकअप 2 में पहुंचीं शिल्पा शिंदे

'लॉकअप सीजन 2' में भरपूर ड्रामा देखने को मिल रहा है। प्रतिभागी अपनी जिंदगी से जुड़े नए-नए और दिलचस्प खुलासे कर रहे हैं। शो के इस ड्रामे में अब और भी तड़का लगने वाला है। शिल्पा शिंदे भी इस रियलिटी शो में पहुंच चुकी हैं। उन्होंने पहली वाइल्डकार्ड प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया है। अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने आधिकारिक तौर पर इस शो में एंट्री की।

'लॉकअप 2' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में खूब गरमागरम बहस, इमोशनल खुलासे हो रहे हैं। पहला एविक्शन हो चुका है। शिल्पा शिंदे के घर में पहली वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर आने से, कॉम्पिटिशन के एक और ड्रामैटिक मोड़ लेने की उम्मीद है। मेकर्स ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक प्रमोशनल वीडियो शेयर करके 'लॉकअप 2' में शिल्पा शिंदे की एंट्री की घोषणा की। क्लिप में वह कॉन्फिडेंस से कहती हैं, 'सुना है सब लोग अंदर अपनी-अपनी गाड़ी जमाए बैठे हैं। लेकिन उन्हें कह दो जब तक कोई बाहर का अंदर कदम नहीं रखता, तब तक ही उनका राज चलता रहेगा'।

सामने आए वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है, 'सही पकड़े हैं! अब गेम पटलने वाला है'। बता दें कि भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट पर आने के बाद हुए विवाद के बाद शिल्पा की एंट्री हुई है। बातचीत के दौरान, उन्होंने टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर्स के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की थी। बातचीत में शिल्पा शिंदे ने बताया था कि शो छोड़ने के बाद और बकाया पेमेंट को लेकर हुए झगड़े के बीच उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें बहुत फंसा हुआ महसूस हो रहा था और उन्होंने इस कदम को आखिरी रास्ता बताया। शिंदे ने यह भी कहा कि बाद में मामला सुलझ गया और उन्हें उनके बकाया पैसे मिल गए'।

नेटफ्लिक्स की फिल्म 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

अभिनेता विक्रांत मैसी जल्द ही नेटफ्लिक्स की नई रोमांटिक फिल्म 'मुसाफिर कैफे' में नजर आने वाले हैं। निर्माताओं ने फिल्म का टीजर साझा किया। साथ ही निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। इस फिल्म में विक्रांत के साथ वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म 'मुसाफिर कैफे' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इस फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की पहली झलक शेयर की है। यह फिल्म 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'मुसाफिर कैफे' के अलावा विक्रांत के पास कुछ और बड़े प्रोजेक्ट्स भी हैं। एक फिल्म में विक्रांत मशहूर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर का रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे उन्होंने कोलंबिया देश में 52 साल से चल रही आपसी लड़ाई को खत्म कराने और शांति लाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

बॉलीवुड में उम्र संबंधी भेदभाव के खिलाफ ईशा कोप्पिकर ने उठाई आवाज

बॉलीवुड के कई सितारों ने ज्यादा उम्र के पुरुष कलाकारों के छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करने के खिलाफ आवाज उठाई है। अब इसमें नया नाम एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर का जुड़ गया है। उन्होंने इंडस्ट्री में उम्र संबंधी भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। ईशा कोप्पिकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा 'यह बहुत अजीब है, है ना? एक आदमी की उम्र बढ़ने को अनुभव कहा जाता है, जबकि एक महिला की उम्र बढ़ने को समस्या। फिल्मों में हम हीरो को अपनी आधी उम्र की लड़कियों के साथ रोमांस करते देखते हैं। वे उनके हीरो बन जाते हैं। यह बहुत नॉर्मल है।' उन्होंने आगे कहा 'अगर कोई महिला स्टाइलिश है, अपनी बात खुलकर रखती है और अपनी अलग पहचान को सेलिब्रेट करती है, तो उससे कहा जाता है कि इस उम्र में अपनी उम्र के हिसाब से व्यवहार करो। सच तो यह है कि समय के साथ, एक महिला कम नहीं होती, वह और गहरी होती जाती है। उसका कॉन्फिडेंस शोर नहीं मचाता। वह और मजबूत होता है। उसकी खूबसूरती सिर्फ उसके चेहरे में नहीं होती। यह उसके सफर में दिखती है। झुर्रियां सिर्फ उसकी उम्र नहीं दिखातीं, वे उसके संघर्षों को दिखाती हैं।'

फ्रैंचाइजी फिल्म नहीं स्टैंडअलोन फिल्म होगी 'वाराणसी'

एसएस राजामौली अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चाओं में हैं। भले ही यह फिल्म अगले साल रिलीज होनी है, लेकिन घोषणा के बाद से ही फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इस बीच राजामौली शूटिंग से ब्रेक लेकर फ्रांस में हुए एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे, जहां उनकी फिल्में 'आरआरआर' और 'ईगा' दिखाई गईं। इसी दौरान राजामौली ने एक मास्टरक्लास में अपनी आने वाली फिल्म 'वाराणसी' को लेकर बात की और कन्फर्म किया कि 'बाहुबली' के उलट, यह फिल्म किसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा नहीं, बल्कि एक स्टैंडअलोन फिल्म होगी। बातचीत के दौरान राजामौली ने बताया कि दर्शक 'वाराणसी' से क्या उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप अंटार्कटिका की ठंड और बर्फ का अनुभव करेंगे। रामायण के देवता, प्राकृतिक आपदाएं और शानदार तत्व यही सब अनुभव आपको मिलेगा, लेकिन इन सबके केंद्र में पिता और पुत्र की भावनाएं हैं। यही सब मिलकर आपके लिए 'वाराणसी' बनाते हैं। जब पूछा गया कि यह प्रोजेक्ट एक ही फिल्म होगी या फ्रैंचाइजी तो राजामौली ने जवाब दिया कि यह एक फिल्म है। एसएस राजामौली के निर्देशन और विजयेन्द्र प्रसाद की लिखी 'वाराणसी' में महेश बाबू, पृथ्वीराज और प्रियंका चोपड़ा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म माइथोलॉजी और भारतीय लोककथाओं को टाइम ट्रैवल जैसे साइंस-फिक्शन एलिमेंट्स के साथ मिलाकर एक ग्लोबल एडवेंचर बनाती है। फिल्म के एक सीक्वेंस में महेश बाबू भगवान राम के किरदार में भी नजर आएंगे। यह पूरा सीक्वंस रामायण पर आधारित होगा। राजामौली ने हाल ही में बताया था कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है।

इन फिल्मी हस्तियों के पास है डॉक्टर की डिग्री

आपने कई फिल्मी सितारों को पर्दे पर डॉक्टर का किरदार निभाते देखा होगा। मगर, क्या आपको पता है कि फिल्मी दुनिया में कई ऐसे सितारे हैं, जिनके पास डॉक्टर की डिग्री है। इनमें से कुछ अब भी डॉक्टर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। चलिए जानते हैं...

अदिति गोवित्रिकर

आपने अदिति गोवित्रिकर को 'बाज', 'पहचान', 'हम कौन हैं?' जैसी फिल्मों में देखा होगा। मॉडलिंग की दुनिया में भी बड़ा नाम रहा। साल 2001 में मिसेज वर्ल्ड बनने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, लेकिन इन सबके पहले उनकी पहचान एक डॉक्टर की थी और दिलचस्प बात यह है कि इतने साल बाद भी वह पहचान उनसे कभी दूर नहीं हुई। खास बातचीत में अदिति ने बताया कि जिंदगी उन्हें फिल्मों तक जरूर ले आई, लेकिन लोगों की मदद करने का सपना आज भी वैसा ही है। अदिति आज भी लोगों के मेंटल हेल्थ से जुड़े मामलों पर काम कर रही हैं। उनका कहना है कि डॉक्टर की पढ़ाई आज भी उनके हर दिन के काम का हिस्सा है।

श्रीलीला

आज तेलुगु फिल्मों का चर्चित चेहरा हैं। उन्होंने अभिनय के साथ-साथ एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की और साल 2021 में डॉक्टर बनीं।

मेयांग चांग

मेयांग चांग को लोग गायक और अभिनेता के तौर पर जानते हैं, लेकिन उन्होंने बेंगलुरु के वी. एस. डेंटल कॉलेज से बीडीएस की पढ़ाई की है और वह पेशे से दंत चिकित्सक रह चुके हैं।

मोहन आगाशे

मोहन आगाशे ने एमबीबीएस के बाद मनोचिकित्सा में एमडी किया था। फिल्मों में आने से पहले वह मेडिकल क्षेत्र से जुड़े रहे।

मानुषी छिल्लर

मानुषी छिल्लर फिल्मों में आने से पहले एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं। लेकिन साल 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया और मेडिकल की पढ़ाई बीच में ही छूट गई।

पलाश सेन

पलाश सेन को लोग बैंड यूफोरिया की वजह से जानते हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने एमबीबीएस किया है और वह हड्डी रोग विशेषज्ञ भी हैं।

श्रीराम लागू

दिग्गज अभिनेता श्रीराम लागू ने पुणे के बी. जे. मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और एमएस किया था। पढ़ाई पूरी करने के बाद कुछ साल तक ईएनटी सर्जन के तौर पर काम किया, फिर अभिनय की दुनिया चुन ली।

साई पल्लवी

साउथ सिनेमा का बड़ा नाम हैं। प्रेमम से पहचान बनाने वाली साई ने जॉर्जिया की त्बिलिसी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस किया है, हालांकि उन्होंने डॉक्टर के तौर पर प्रैक्टिस नहीं की।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण चीन में बाढ़ का कहर : छह की मौत, 11 लापता, लाखों लोग प्रभावित

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन के गुआंग्शी ज़ुआंग स्वायत्त क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में मंगलवार शाम तक छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 11 लोग अब भी लापता हैं। समाचार एजेंसी सा??हुआ के मुताबिक, टाइफून मेसाक की वजह से हुई भारी बारिश से गुआंग्शी में करीब 3.75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 1.30 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। गुआंग्शी में राहत और बचाव का काम तेजी से जारी है। खोज और बचाव अभियान के लिए 8,000 से ज्यादा कर्मियों, 1,700 से अधिक वाहनों और 5,700 नावों को लगाया गया है। इसके साथ ही खतरनाक जगहों को सुरक्षित बनाने का काम भी चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, इलाके के कई हिस्सों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। फिलहाल क्षेत्र के 341 जलाशयों में पानी खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं, 41 नदियों के 56 निगरानी केंद्रों पर भी पानी का स्तर चेतावनी सीमा से ऊपर दर्ज किया गया है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि वह लोगों को समय रहते चेतावनी देने, जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और बाढ़ के बाद राहत व पुनर्वास के काम को और मजबूत करेगा।

अच्छी इंसान होकर भी मेलोनी ने गलती की, खराब हो गए रिश्ते : डोनाल्ड ट्रंप

अंकारा, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ईरान से जुड़े सैन्य अभियान में अमेरिका का साथ न देकर 'गलती' की। इस फैसले की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई। ?उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन से पहले अंकारा में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और ईरान से जुड़े मामले में इटली के सहयोग से इनकार करने के बाद मेलोनी के साथ उनके रिश्ते 'थोड़े खराब हो गए।' जब ट्रंप से सोशल मीडिया पर मेलोनी को लेकर की गई एक हालिया पोस्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं।' उन्होंने कहा, 'पहले हमारे रिश्ते अच्छे थे, लेकिन फिर थोड़े खराब हो गए क्योंकि उन्होंने हमारी मदद करने से मना कर दिया। मैंने उन पर ज्यादा दबाव नहीं डाला था, लेकिन उन्होंने होर्मुज स?ट्रेट के मामले में या कहें कि ईरान के मुद्दे पर, शामिल होने से इनकार कर दिया।' ट्रंप ने कहा कि इटली के इस फैसले का असर उनके रिश्तों पर पड़ा, हालांकि उन्होंने मेलोनी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'इससे मेरे और उनके रिश्ते में थोड़ी खटास आ गई। लेकिन, मैं उन्हें पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं, लेकिन उन्होंने गलती की।' राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय देशों को होर्मुज स्ट्रेट में स्थिरता बनाए रखने में सीधा हित है क्योंकि वे मध्य पूर्व से आने वाले तेल पर काफी हद तक निर्भर हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें अपना बहुत सारा तेल वहीं से मिलता है। हमें वहां से तेल की जरूरत नहीं है। अमेरिका के पास बहुत ज्यादा तेल है, बल्कि दुनिया में सबसे ज्यादा तेल हमारे पास है।

ईरानी संसद के स्पीकर की दो-टूक, अब धौंस जमाने और जबरन वसूली का दौर नहीं ; अमेरिका पर क्या आरोप लगाए?

तेहरान , एजेंसी। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच, ईरान के शीर्ष वार्ताकार और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने वाशिंगटन पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से द्विपक्षीय समझौतों के कई उल्लंघनों का विस्तृत विवरण दिया है। एक्स पोस्ट में, वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने अमेरिकी प्रशासन की ओर से किए गए समझौता ज्ञापन के कई प्रमुख उल्लंघनों को गिनाया, जो दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रतिबद्धताओं में गंभीर दरार का संकेत देता है। संसद अध्यक्ष के अनुसार, इन अमेरिकी कार्रवाइयों में 'जलडमरूमध्य में ईरानी समायोजन का उल्लंघन', 'आगे और हमलों की लगातार धमकियां', 'तेल प्रतिबंधों को फिर से लागू करना', 'दक्षिण ईरान पर हमले' और लेबनान में 'जायोनी आक्रामकता का जारी रहना' शामिल है। गालिबाफ ने आगे कहा 'धमकी और जबरन वसूली का युग समाप्त हो गया है। इससे कुछ हासिल नहीं होता।' 'हम झुकेंगे नहीं।' तेहरान की यह तीखी बयानबाजी वाली जवाबी प्रतिक्रिया, समुद्री क्षेत्र में हुई ताजा घटनाओं के बाद अमेरिका द्वारा ईरानी ठिकानों के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने के साथ, शत्रुता में नाटकीय वृद्धि की सीधी प्रतिक्रिया है। भारी बमबारी के परिचालन संबंधी विवरण प्रदान करते हुए, अमेरिकी केंद्रीय कमान ने पुष्टि की कि उसने 7 जुलाई को जवाबी हमलों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया, जिसमें ईरान के अंदर 80 से अधिक सैन्य ठिकानों पर सटीक निर्देशित गोला-बारूद से हमला किया गया। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इन लक्षित अभियानों का मुख्य उद्देश्य तेहरान की समुद्री आक्रमण क्षमताओं को नष्ट करना था। कई घंटों तक चले इस अभियान के दौरान जिन लक्ष्यों को नष्ट किया गया उनमें कमान और नियंत्रण नेटवर्क, वायु रक्षा तंत्र, तटीय रडार प्रतिष्ठान, जहाज-रोधी मिसाइल स्थल और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की 60 से अधिक छोटी नौकाएं शामिल थीं।

अमेरिका ने सीजफायर के बीच ईरान पर एयरस्ट्राइक की

80 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया ; ईरान ने बहरीन और कुवैत में जवाबी हमले किए

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने सीजफायर के बीच बुधवार तड़के ईरान पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों को सटीक हथियारों से निशाना बनाया गया। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे तीन जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई। वॉशिंगटन ने इन हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है

एयरस्ट्राइक में एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, तटीय रडार, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम, ड्रोन लॉन्च साइट्स और ढ्ढक्रत्नष्ट की 60 से ज्यादा मिलिट्री बोट्स को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, सीरिक, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास में कई धमाके हुए और कुछ जगहों पर आग लग गई। इसके जवाब में ईरानी सेना ने बहरीन और कुवैत में अमेरिका सैन्य ठिकानों पर 85 से ज्यादा टारगेट्स हिट करने का दावा किया है।

कतर ने होर्मुज में ईरानी हमलों की निंदा की: कतर ने होर्मुज में उसके जहाज पर हमले की निंदा करते हुए ईरान को कानूनी रूप से पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया। साथ ही कहा कि ईरानी हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

ईरान बोला- धमकियों के बीच अमेरिका से बातचीत नहीं: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि धमकियों के माहौल में कोई समझौता नहीं होगा। पहले अमेरिका को अपने पुराने समझौतों का सम्मान करना होगा।

कोम में खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी : तेहरान में अंतिम यात्रा के बाद लगातार दूसरे दिन कोम में भी खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी। कई लोगों ने ताबूत पर लाल कपड़ा भी चढ़ाया, जो बदले का प्रतीक है।

खामेनेई का पार्थिव शरीर इराक के नजफ पहुंचा: ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर मंगलवार रात इराक के नजफ शहर पहुंचा। ईरान में कई दिनों तक चली अंतिम यात्रा और धार्मिक रस्मों के बाद ताबूत को विशेष विमान से नजफ लाया गया।

अमेरिकी अधिकारी का दावा- पहले से 4-5 गुना बड़ा हमला : एक अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस से कहा कि इस बार ईरान पर किया गया हमला दस दिन पहले हुए हमलों की तुलना में 'चार से पांच गुना अधिक बड़ा और ज्यादा शक्तिशाली' है। अधिकारी ने यह भी कहा कि यह सैन्य अभियान कई घंटे और जारी रह सकता है तथा अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद यह अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई है। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह अभियान 'सिर्फ जवाबी कार्रवाई नहीं बल्कि सजा देने के उद्देश्य से' चलाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, 'यह सजा है और यह अभी खत्म नहीं होने वाला।अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने 21 जून को पूर्व प्रतिबंधों में ढील देते हुए 21 अगस्त तक ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोकेमिकल और पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन, आपूर्ति और बिक्री की अनुमति दी थी। यह फैसला अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन के बाद लिया गया था। वहीं, ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से दावा किया कि कतर के तेल टैंकर Al-Raqayat को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह अमेरिकी नौसेना के समर्थन के साथ ओमानी मार्ग से होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश कर रहा था और उसने ईरान की कई चेतावनियों को नजरअंदाज किया। IRIB ने ईरान के पुराने रुख को दोहराते हुए कहा कि अमेरिका के हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पहले जैसी नहीं रहेगी। जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी जहाजों को केवल उन्हीं मार्गों का इस्तेमाल करना होगा जिन्हें ईरान ने निर्धारित किया है, अन्यथा उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती। अमेरिकी फैसले से पहले तीन तेल टैंकरों के होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास अज्ञात प्रोजेक्टाइल से प्रभावित होने की सूचना मिली थी। यह जानकारी ब्रिटेन की यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने दी। हालांकि, इन हमलों की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली और तेहरान की ओर से भी तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

बलूचिस्तान में मांगी डैम सुरक्षा चौकी पर आतंकी हमला : 9 पुलिसकर्मियों की मौत

क्वेटा/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान से एक बार फिर बड़े आतंकी हमले की खबर सामने आई है। जियारत ज़िले में निर्माणाधीन 'मांगी डैम' की सुरक्षा में तैनात पुलिस बल पर अज्ञात बंदूकधारियों ने घात लगाकर आत्मघाती हमला किया। इस बर्बर हमले में दो वरिष्ठ अधिकारियों सहित कम से कम 9 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई जवानों के लापता होने की खबर है। जियारत के डिप्टी कमिश्नर अब्दुल कुद्दूस अचकजई ने बीबीसी उर्दू को बताया कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने अचानक सुरक्षा चौकी को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

क्यों अहम है यह बांध: प्रभावित पुलिसकर्मी अरबों रुपये की लागत से बन रहे मांगी डैम के निर्माण स्थल की सुरक्षा के लिए तैनात थे। यह बांध बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में पीने के पानी के गंभीर संकट को दूर करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है।

लापता जवानों के लिए सर्च ऑपरेशन: हमले के बाद से लापता पुलिसकर्मियों की सुरक्षित वापसी के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों और परिजनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर उग्र प्रदर्शन भी किया।

हालांकि, अभी तक किसी भी बड़े उग्रवादी संगठन ने इस हमले की आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इलाके में तुरंत मोर्चा संभाल लिया है। बलूचिस्तान प्रशासन के दावों के मुताबिक, हमले के तुरंत बाद जियारत और आसपास के पहाड़ी इलाकों में एक बड़ा 'क्लियरेंस ऑपरेशन' चलाया गया। इस जवाबी कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 15 उग्रवादियों को मार गिराने का दावा किया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हुए जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को देश का गौरव बताया। अफगानिस्तान और ईरान की सीमाओं से सटा बलूचिस्तान प्रांत पिछले लंबे समय से हिंसक उग्रवाद की आग में झुलस रहा है।

स्थानीय बनाम सीमा पार का संकट: यहाँ बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी) जैसे स्थानीय अलगाववादी गुट प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण और अधिक स्वायत्तता की मांग को लेकर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाते रहे हैं। हाल ही में मई महीने में भी बीएलए ने एक सैन्य ट्रेन पर हमला किया था जिसमें 20 जवानों की मौत हुई थी।

ड्रोन और सीमा विवाद: इसके साथ ही इस क्षेत्र में सीमा पार (अफगान बॉर्डर) से होने वाले हवाई और जमीनी हमले भी बढ़े हैं। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान सेना ने सीमा पर चार संदिग्ध ड्रोन मार गिराने का दावा किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर है।

फ्रांसीसी अदालत से मरीन ले पेन को राहत, जानें कोर्ट ने क्या रखी शर्त; राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर संशय

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को 2027 के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की दिशा में बड़ी राहत मिली है। हालांकि, अपील अदालत ने साफ किया है कि उन्हें अपनी सजा के तहत घर पर रहते हुए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनना होगा। जबकि ले पेन पहले ही कह चुकी हैं कि इस शर्त के साथ चुनाव प्रचार करना उनके लिए स्वीकार्य नहीं होगा। पेरिस की अपील अदालत ने मंगलवार को ले पेन को यूरोपीय संसद के धन के गबन (गबन/दुरुपयोग) के मामले में दोषी माना, लेकिन उनकी सजा में कुछ राहत दी। अदालत ने सार्वजनिक पद संभालने पर लगी रोक को पांच साल से घटाकर 45 महीने कर दिया। इनमें से दो-तिहाई अवधि निलंबित रहेगी। इसके अलावा, उनकी जेल की सजा भी चार साल से घटाकर तीन साल कर दी गई। इनमें से दो साल की सजा निलंबित रहेगी, जबकि एक साल की सजा उन्हें घर पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनकर पूरी करनी होगी। यह मामला 2004 से 2016 के बीच का है। आरोप है कि ले पेन और उनकी पार्टी नेशनल रैली के अन्य नेताओं ने यूरोपीय संसद के उन फंड का गलत इस्तेमाल किया, जो संसदीय सहायकों के वेतन के लिए दिए गए थे। आरोप के अनुसार, इस धन से पार्टी के कर्मचारियों को भुगतान किया गया। मार्च 2025 में निचली अदालत ने ले पेन को इस मामले में दोषी ठहराते हुए चार साल की जेल और पांच साल तक कोई निर्वाचित पद नहीं संभालने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ उन्होंने अपील की थी। 57 वर्षीय मरीन ले पेन लगातार सभी आरोपों से इनकार करती रही हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया। वह 2027 में फ्रांस के राष्ट्रपति पद के लिए चौथी बार चुनाव लड़ना चाहती हैं।

लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ को अमेरिका-कनाडा ने निज्जर हत्याकांड का आरोपी बनाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने भारत में जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके साथी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर नवंबर 2023 में कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आदेश देने का आरोप लगाया है.

लॉस एंजिल्स में मंगलवार को जारी एक संघीय आरोप पत्र के अनुसार बिश्नोई ने तीन साल पहले 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक सिख मंदिर के बाहर निज्जर की हत्या का आदेश दिया था. ऑपरेशन हार्डबॉल' नाम के एक कोऑर्डिनेटेड एक्शन में अमेरिका, कनाडा और यूरोप की लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने 24 लोगों को गिरफ्तार किया. इनमें से 11 कैलिफ़ोर्निया में थे जो भारत के तीन ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप से जुड़े थे. उन पर निज्जर की हत्या समेत कई क्रिमिनल कामों का आरोप था. अमेरिकी फर्स्ट असिस्टेंट अटॉर्नी बिल एसेली ने लॉस एंजिल्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'एक साथ काम करते हुए अमेरिका, कनाडा, यूरोप और एशिया में लॉ एनफोर्समेंट इन क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन को टारगेट करने और खत्म करने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों. इन गुंडों के लिए कोई सेफ जगह नहीं है.' निज्जर की हत्या से भारत और कनाडा के बीच आपसी रिश्ते खराब हो गए थे, क्योंकि उस समय के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने नई दिल्ली सरकार को इस हत्या से जोड़ने की कोशिश की थी. भारत ने इन दावों को 'बेतुका और जानबूझकर किया गया' बताकर खारिज कर दिया था. मौजूदा कार्रवाई भारतीय क्राइम सिंडिकेट की सालों से चल रही फेडरल जांच का नतीजा है, जो रैकेटियरिंग, टारगेटेड किलिंग, शूटिंग, जबरन वसूली, इंटरनेशनल बॉर्डर के पार भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी और दुनिया भर में दूसरे ऐसे अपराधों में शामिल हैं, जिनका असर खासकर भारतीय प्रवासियों पर महसूस किया जाता है. कुल मिलाकर, 37 आरोपियों पर जिनमें दो ऐसे आरोपी भी शामिल हैं जो भारत में जेल में रहते हुए अपने ग्लोबल क्रिमिनल सिंडिकेट चलाते थे मंगलवार को खोले गए तीन चार्जशीट में आरोप लगाए गए. अमेरिका में गिरफ्तार किए गए लोग कैलिफ़ोर्निया में 11 के अलावा, एक को इंडियाना में और एक को जॉर्जिया में पकड़ा गया - आज फेडरल कोर्ट में अपनी पहली पेशी पर आ सकते हैं. कनाडा में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, एक को स्पेन में गिरफ्तार किया गया, और सात आरोपी पहले से ही कस्टडी में थे. एजेंसियां ??10 भगोड़ों की तलाश कर रही हैं. सात अमेरिका में दो भारत में और एक यूरोप में. बिश्नोई पहले से ही भारत की जेल में है, जबकि उसका साथी गोल्डी बरार अभी भी फरार है. एफबीआई के लॉस एंजिल्स फील्ड ऑफिस के असिस्टेंट डायरेक्टर इन चार्ज पैट्रिक ग्रैंडी ने कहा, 'आज (मंगलवार) का कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन तीन क्रूर ट्रांसनेशनल संगठनों के केंद्र पर हमला करता है, जिन्होंने अमेरिका और विदेशों में हिंसा के क्रूर कामों के ज़रिए परिवारों को आतंकित किया है, समुदायों का शोषण किया है।

होर्मुज स्ट्रेट में तीन टैंकरों पर हमले, सऊदी और कतर के जहाजों को नुकसान

लंदन, एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने मंगलवार को बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर तीन अलग-अलग हमले हुए हैं। इन तीनों घटनाओं में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पहली घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को सोमवार रात 2119 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि ओमान के लिमाह से करीब आठ समुद्री मील पूर्व में दक्षिण की ओर जा रहे एक टैंकर के बाईं तरफ एक अज्ञात वस्तु टकराई, जिससे उसमें आग लग गई। दूसरी घटना की जानकारी मंगलवार को दी गई। इसमें एक टैंकर को किसी अज्ञात वस्तु से नुकसान पहुंचने की बात कही गई और माना जा रहा है कि उसके ढांचे को नुकसान हुआ है। तीसरी और सबसे नई घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को मंगलवार को 1305 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि एक और टैंकर को ड्रोन से हमला किया गया, जिससे उसे हल्का ढांचागत नुकसान हुआ। यह जहाज अभी भी अपने अगले बंदरगाह की ओर जा रहा था। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, तीन में से दो जहाजों की पहचान हो चुकी है। इनमें से एक सऊदी अरब के झंडे वाला कच्चे तेल का टैंकर है, जबकि दूसरा कतर का तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर है। इससे पहले मंगलवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दो ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया था, जो अमेरिका समर्थित ओमानी रास्ते से होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने बताया कि इन जहाजों ने चेतावनी नहीं मानी थी। फार्स न्यूज एजेंसी ने स्वतंत्र सैन्य पर्यवेक्षक मेन्चोसिंट के 'एक्स' अकाउंट पर साझा की गई सैटेलाइट तस्वीरों का हवाला देते हुए कहा कि समुद्री यातायात की जानकारी से पता चला कि इन दो टैंकरों पर हमले के बाद जापान, भारत और पश्चिमी देशों के कई अन्य जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया और जलडमरूमध्य पार करने के लिए ईरान की ओर से बताए गए रास्ते का इस्तेमाल किया। मंगलवार को मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि कतर का एक एलएनजी टैंकर और सऊदी अरब का एक कच्चे तेल का टैंकर होर्मुज स्ट्रेट के पास आईआरजीसी की ओर से किए गए कथित मिसाइल हमलों में क्षतिग्रस्त हुए। कतर के जहाज की पहचान अल रेकय्यात के रूप में की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, हमला होने के बाद इस जहाज ने मदद के लिए आपातकालीन संकेत भेजे। कतर ने मंगलवार को अल-रेकय्यात पर हुए हमले की निंदा की। कतर ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और समुद्री यातायात तथा दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा बताया। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि कतर इस हमले और इससे होने वाले किसी भी नुकसान या परिणाम के लिए ईरान को पूरी तरह कानूनी रूप से जिम्मेदार मानता है।

पाकिस्तान के शारजाह से कराची जा रहा कार्गो विमान लापता, क्या समुद्र में गिरा बोइंग 737?

शारजाह , एजेंसी। पाकिस्तान में मंगलवार रात को शारजाह से कराजी जा रहे बोइंग 737 मालवाहक विमान का हवाई यातायात नियंत्रण से संपर्क टूट गया। विमान के पायलट ने पहले नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी थी। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया। विमान में पांच चालक दल के सदस्य सवार थे।

पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने क्या बताया : पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि के2 एयरवेज द्वारा संचालित 27 साल पुराने परिवर्तित मालवाहक विमान ने कराची की ओर उड़ान भरते समय पाकिस्तानी मानक समय के अनुसार रात 9:18 बजे नेविगेशन सिस्टम में खराबी की सूचना दी।

रडार सिस्टम में क्या दिखा : अधिकारियों के अनुसार, समस्या की सूचना मिलने के बाद स्थानीय हवाई यातायात नियंत्रकों ने विमान को निर्देशित करने का प्रयास किया। हालांकि, रडार सिस्टम ने लगभग तीन मिनट बाद विमान को तेजी से नीचे उतरते हुए दिखाया और विमान से संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने बताया कि उस समय विमान कराची से लगभग 155 समुद्री मील (287 किमी) पश्चिम में था।

फ्लाइटराडार24 ने क्या बताया : पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कहा है कि लापता विमान का पता लगाने के लिए उसने अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से समुद्र में एक समन्वित खोज और बचाव अभियान शुरू किया है। फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटराडार24 के अनुसार, प्रारंभिक उड़ान डेटा से संकेत मिलता है कि विमान कराची के दक्षिण-पश्चिम में समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया होगा। संभवत ऊंचाई में कई तीव्र परिवर्तनों के बाद और फिर अंतिम तेज अवरोहण के कारण।

विमान समुद्र तल से कितना ऊपर था : स्थानीय प्रसारक जियो न्यूज के अनुसार, विमान पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ओरमारा के पास अरब सागर के ऊपर उड़ान भरते समय लापता हो गया। फ्लाइटराडार24 ने बताया कि उड़ान डेटा से पता चलता है कि विमान ने पहले ऊंचाई खोई, फिर थोड़ी देर के लिए ऊपर चढ़ा और उसके बाद अचानक और तेजी से नीचे गिरने लगा। सेवा ने आगे बताया कि आखिरी डेटा के अनुसार विमान समुद्र तल से 1,100 फीट ऊपर था। उसकी ऊर्ध्वाधर गिरावट की दर माइनस 22,400 फीट प्रति मिनट थी, जो कि एक अत्यंत तीव्र और असामान्य गिरावट दर है।

क्या है बोइंग 737 : लापता विमान बोइंग 737-400 था। यह निजी मालवाहक एयरलाइन के2 एयरवेज का एकमात्र विमान था। एयरलाइन ने इस विमान को 2024 में सेवा में शामिल किया था। फ्लाइटराडार24 के अनुसार, यह विमान मूल रूप से 1999 में रूस की एयरोफ्लोट के साथ एक यात्री जेट के रूप में सेवा में आया था, जिसे 2012 में एक मालवाहक विमान में परिवर्तित कर दिया गया था।

श्रीलंका की जेल में ड्रग माफिया का खूनी खेल, दो गुटों के संघर्ष में 26 लोगों की दर्दनाक मौत

कोलंबो , एजेंसी। कोलंबो के पास स्थित जेल में हुई यह घातक झड़प श्रीलंका की जेल व्यवस्था में व्याप्त गहरी समस्याओं, जैसे क्षमता से अधिक कैदी और सुरक्षा चूक, को उजागर करती है। 26 मौतों के बाद, अब सरकार पर जेलों में अवैध गतिविधियों को रोकने और सुरक्षा सुधारों को लागू करने का दबाव बढ़ गया है।

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के करीब स्थित नेगोम्बो जेल में हुई हिंसक झड़प ने पूरे देश को झकझोर दिया हैं। जेल के भीतर दो गुटों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बड़े संघर्ष में बदल गया, जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में जेल के कर्मचारी और कैदी दोनों शामिल हैं। मौजद जानकारी के अनसार यह हिंसा रविवार को शुरू हुई थी और सोमवार तक जारी रही। हालात बिगड़ने के बाद सुरक्षा बलों को जेल परिसर में अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ी। कई घंटों की कोशिशों के बाद स्थिति पर काबू पाया गया और अब जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

श्रीलंका के न्याय मंत्री हर्षणा नानायक्कारा ने इस घटना की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए कहा कि जेल विभाग उनके मंत्रालय के अधीन आता है, इसलिए वह इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने बताया कि इस हिंसा में सात जेल अधिकारियों और 19 कैदियों की मौत हुई हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बता दें कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जेल के भीतर कथित तौर पर नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक समूह और उसका विरोध करने वाले दूसरे समूह के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद ने बाद में हिंसक रूप ले लिया। हालांकि जांच एजेंसियां अभी सभी पहलुओं की विस्तार से जांच कर रही हैं और अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। गौरतलब है कि श्रीलंका की कई जेलों में पिछले कुछ वर्षों से क्षमता से अधिक कैदियों की मौजूदगी, सुरक्षा व्यवस्था की चुनौतियां और जेल के भीतर अवैध गतिविधियों को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। मानवाधिकार संगठनों ने भी कई बार जेलों में सुधार और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की मांग की हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जेल के भीतर संगठित अवैध गतिविधियां सक्रिय रहती हैं, तो इस तरह के टकराव की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे मामलों में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जेल प्रशासन की निगरानी और खुफिया तंत्र को भी अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत मानी जाती है। घटना में घायल हुए 100 से अधिक लोगों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। श्रीलंका सरकार ने पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि जेल के भीतर कथित अवैध गतिविधियां किस प्रकार संचालित हो रही थीं और सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई है। इस घटना के बाद श्रीलंका की जेल व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में आ गई है। सरकार पर अब सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, जेलों में भीड़ कम करने और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने का दबाव बढ गया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)